दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

बलरामपुर
शुक्रवार, 02 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 90 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

हैप्पी न्यू ईयर 2026: अपने रिश्तेदारों, ...8

बीजेपी का गेम प्लान होगा फेल!

अखिलेश यादव का दावा– बंगाल और यूपी दोनों हारेंगे

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 2026 के विधानसभा चुनावों में जीत का समर्थन करते हुए कहा कि भाजपा की षसाजिशष नाकाम होगी। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा 2026 में पश्चिम बंगाल और 2027 में उत्तर प्रदेश दोनों चुनाव हार जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भारी बहुमत से जीतेंगी। ये भाजपा वाले हर जगह साजिश रचते हैं। इस बार उनकी साजिश नाकाम होगी। पहले वे बंगाल में हारेंगे, फिर उत्तर प्रदेश में भी हारेंगे। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कोलकाता दौरे के दौरान राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए जोरदार आह्वान किया। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाह ने कहा कि पिछले 14 वर्षों से पश्चिम बंगाल की पहचान भय और भ्रष्टाचार बन गया है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से राज्य में अवैध प्रवासियों की कथित घुसपैठ के बारे में सवाल किया और उनकी सरकार पर सीमा बाड़ लगाने के लिए भूमि उपलब्ध कराने से इनकार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कोलकाता में भाजपा विधायकों और सांसदों की एक बैठक की अध्यक्षता भी की। दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने शाह को महाभारत के एक पौराणिक पात्र दुशासन कहकर संबोधित किया। टीएमसी के स्थापना दिवस पर, उन्होंने मां–माती–मनुष्य के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया और आम जनता के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। इसी बीच, अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री चुनाव आयोग के अधिकारियों को विशेष गहन संशोधन सूची के आंकड़ों में हेराफेरी करने के लिए उकसा रहे हैं।

वंदे भारत स्लीपर का इंतजार खत्म!

पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी, जानें रूट और किराया

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से संबंधित एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उनके अनुसार, सरकार ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का परीक्षण, जांच और प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है और इसके लिए पहला मार्ग गुवाहाटी और कोलकाता के बीच चुना गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनवरी 2026 के उत्तरार्ध में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने की उम्मीद है। वंदे भारत स्लीपर एक पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन है जिसे भारतीय रेलवे ने लंबी दूरी के मार्गों और रात्रिकालीन यात्राओं के लिए बनाया है। अश्विनी वैष्णव के अनुसार, दो वंदे भारत स्लीपर ट्रेन तैयार हैं और इनका सफल परीक्षण हो चुका है। ये नई ट्रेनें राष्ट्रीय परिवहन कंपनी के 120–150 किमी प्रति घंटे की गति वाले मार्गों पर चलाई जाएंगी ।प्रत्येक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 16 कोच हैं। इनमें 11 एसी थ्री–टियर, 4 एसी टू–टियर और एक एसी फर्स्ट–टियर कोच शामिल हैं। ट्रेन में 823 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। वैष्णव ने बताया कि अगले छह महीनों में आठ और वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू की जाएंगी और साल के अंत तक इनकी कुल संख्या 12 हो जाएगी। अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में एक्स (पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें भारतीय रेलवे नेटवर्क पर ट्रेन के हाई–स्पीड ट्रायल को दिखाया गया है। कोटा–नागदा मार्ग पर किए गए परीक्षण के दौरान, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी अधिकतम डिजाइन गति 180 किमी प्रति घंटा प्राप्त की। परीक्षण का एक उल्लेखनीय पहलू स्थिरता प्रदर्शन था, जिसमें पानी से भरे गिलास 180 किमी प्रति घंटा से अधिक की गति पर भी पूरी तरह संतुलित रहे और उनमें से पानी बिल्कुल नहीं गिरा। अश्विनी वैष्णव ने एक्स

सुदर्शन चक्र जल्द बनेगा हकीकत

राजनाथ ने डीआरडीओ की क्षमता पर जताया भरोसा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में डीआरडीओ भवन में डीआरडीओ स्थापना दिवस के अवसर पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ मुख्यालय के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने दौरे के दौरान कहा कि सिंदूर ऑपरेशन के दौरान डीआरडीओ द्वारा विकसित हथियार प्रणालियों ने निर्णायक भूमिका निभाई, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के प्रति संगठन की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक तकनीकोंध्उपकरणों से लैस करके भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डीआरडीओ की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन के दौरान डीआरडीओ के उपकरणों ने निर्बाध रूप से काम किया, जिससे सैनिकों का मनोबल बढ़ा।

रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस 2025 के अपने संबोधन में घोषित सुदर्शन चक्र की स्थापना में डीआरडीओ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत, डीआरडीओ अगले दशक में पूर्ण हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को वायु रक्षा प्रणाली से लैस करने के लिए जिम्मेदार है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने आधुनिक युद्ध में वायु रक्षा के महत्व को देखा। मुझे विश्वास है कि डीआरडीओ इस लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने के लिए पूरी लगन से काम करेगा। राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रौद्योगिकी निर्माता होने के साथ–साथ विश्वास निर्माता भी है, जिससे लोग आशा, निश्चितता और विश्वास के साथ इसकी ओर देखते हैं। निजी क्षेत्र के साथ डीआरडीओ के सहयोग को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स के साथ बढ़ते जुड़ाव से एक समन्वित रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हुआ है।

पहले चाकुओं से गोदा और फिर पेट्रोल डालकर...

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक को भीड़ ने जिंदा जलाया

ढाका। बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति पर हिंसक भीड़ ने कथित तौर पर हमला कर उसे आग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना देश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की एक और भयावह घटना है। यह भयावह घटना 31 दिसंबर को शरियतपुर जिले में घटी, जहां अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ बढ़ती शत्रुता एक चिंताजनक मुद्दा बन गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पीड़ित की पहचान 50 वर्षीय खोकन दास के रूप में हुई है। वह घर लौट रहा था जब हमलावरों के एक समूह ने उसे घेर लिया। बताया जाता है कि भीड़ ने उस पर धारदार हथियारों से हमला किया, उसे बार–बार पीटा और फिर आग लगा दी। इस क्रूर हमले ने मानवाधिकार समूहों में आक्रोश पैदा कर दिया है, जो रिपोर्टों के अनुसार लक्षित हिंसा में खतरनाक वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। गौरतलब है कि पिछले 15 दिनों में बांग्लादेश में किसी हिंदू पर यह चौथा हमला था। इससे पहले, 24 दिसंबर को बांग्लादेश के कालीमोहर यूनियन के हुसैनडांगा इलाके में भीड़ ने कथित तौर पर 29 वर्षीय अमृत मंडल की पीट–पीटकर हत्या कर दी थी।

धूप खिलने के बावजूद यूपी के 25 जिलों में जारी रहेगा ठंड का कहर, अगले हफ्ते भीषण शीतलहर का अलर्ट

लखनऊ। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में कड़ाके की ठंड के साथ घना कोहरा का प्रकोप जारी है। हालांकि, गुरुवार को लखनऊ समेत आसपास के जिलों में करीब 10 दिन बाद सूर्य देव ने दर्शन दिया तो लोगों को सर्दी से काफी राहत मिली। तेज धूप के चलते दिन के तापमान में बुधवार की तुलना में करीब पांच डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। अधिकतम पारा 21 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रात का तापमान सात डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी सहित 25 से अधिक जिलों में शुक्रवार और शनिवार को भी ठंड से कुछ राहत का सिलसिला बना रहेगा। दिन के तापमान में दो–तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के आसार हैं।

कश्मीरियों को निशाना बनाने वाले हिटलर की राह पर, एक दिन इनका अंत होगा: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के कुछ हिस्सों में कश्मीरियों को निशाना बनाने वाले लोग "हिटलर की राह पर चल रहे हैं"। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे "अतिवादी तत्व" समय के साथ समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यह हमारी नियति है कि कुछ लोग ऐसे हैं जिनका लक्ष्य कुछ और ही है। वे हिटलर की राह पर चल रहे हैं और हिटलर जैसी व्यवस्था कायम करना चाहते हैं। कश्मीरियों पर हमलों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, लेकिन हिटलर खत्म हो गयाय उसने खुद को गोली मार ली। वहां नाजीवाद का अंत हो गया, यहां भी एक समय आएगा, जब ये अतिवादी तत्व चले जाएंगे। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने नये साल की शुरुआत पर शांति और भारत के पड़ोसी देशों के साथ दोस्ती के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, नया साल शुरू हो गया है। ईश्वर बारिश और हिमपात करे ताकि हमारी कठिनाइयां कम हों। मैं प्रार्थना करता हूं कि हमारे देश में शांति बनी रहे और हम पड़ोसी देशों से मित्रता करें, ताकि हम इन मुश्किलों से बाहर निकल सकें।

देश के अन्य हिस्सों के लोगों को पूर्वोत्तर के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए: हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के अन्य हिस्सों के लोगों को पूर्वोत्तर भारत के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या जैसी घटनाओं को रोका जा सके। शर्मा ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने कहा कि अगर आरोपियों को कड़ी सजा दी जाती है तो इससे पूरे देश को एक कड़ा संदेश मिलेगा और उम्मीद है कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। शर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों को अपनी भारतीयता पर गर्व है और देश के बाकी हिस्सों के लोगों को इस क्षेत्र और यहां के लोगों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों और भारत के बाकी हिस्सों के लोगों के बीच अधिक संवाद होना चाहिए। शर्मा ने कहा कि युवा छात्र की मौत 'वास्तव में दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण' है।

असम में कांग्रेस का चुनावी शंखनाद

गौरव गोगोई बोले: 100 सीटों पर लड़ेंगे, बीजेपी को चैलेंज

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव से तीन महीने पहले, कांग्रेस पार्टी ने राज्य में चुनाव लड़ने के लिए सीटों की संख्या स्पष्ट कर दी है। यह पार्टी के लिए एक सकारात्मक शुरुआत है, बिहार के विपरीत, जहां वह अंततः सीट बंटवारे का समझौता करने में असमर्थ रही और शक्तिशाली राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ गठबंधन की राजनीति में संतुलन बनाने के लिए महीनों तक टालमटोल करती रही। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह असम की 126 सीटों में से 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष सीटें अपने छोटे सहयोगी दलों के साथ साझा करेगी।

असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि जनविरोधी भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ गठबंधन करके विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हम 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगे। शेष सीटें गठबंधन सहयोगियों के लिए छोड़ी जाएंगी। लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई ने एआईयूडीएफ को षसांप्रदायिकष पार्टी बताया और इसके साथ किसी भी गठबंधन से इनकार किया। राज्य में बंगाली भाषी मुसलमानों के बीच मजबूत पकड़ रखने वाली एआईयूडीएफ ने 2006 में 10 विधानसभा सीटें, 2011 में 18, 2016 में 13 और 2021 में 16 सीटें जीतीं, क्योंकि कांग्रेस ने मुस्लिम वोटों का एक बड़ा हिस्सा एआईयूडीएफ को खो दिया। एआईयूडीएफ का जनाधार लगातार गिर रहा है। एआईयूडीएफ 2024 के राष्ट्रीय चुनावों में एक भी सीट जीतने में असफल रही और इसके प्रमुख बदरुद्दीन अजमल तीन कार्यकाल के बाद अपनी सीट हार गए। असम की कुल जनसंख्या में मुसलमानों की संख्या 34: है।

कांग्रेस ने सात छोटी पार्टियों को अपने साथ मिला लिया है और जातीय दल–असम (जेडीए), कम्युनिस्ट पार्टी इंडिया (मार्क्सवादी), असम जातीय परिषद (एजेपी), रायजोर दल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई), सीपीआई (एमएल) और कार्बी आंगलोंग स्थित ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव एक साझा मंच से लड़ेगी।

विकसित भारत का सपना होगा साकार!

शिवराज सिंह चौहान ने बताई गांवों के विकास की नई रणनीति

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि इस वर्ष रबी की फसल बंपर हुई है और उन्होंने किसानों की समृद्धि की कामना की। शिरडी में एक सभा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, गरीबों के कल्याण और ग्राम विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि व्यापक ग्राम विकास के माध्यम से शविकसित भारतश की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। उन्होंने वीबी–जी राम जी योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास प्राप्त करने में सक्षम है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस वर्ष रबी की फसल बंपर हुई है और हम आशा करते हैं कि ईश्वर का आशीर्वाद किसानों पर बना रहे और उन्हें अपार समृद्धि प्राप्त हो। यह वर्ष गरीबों के कल्याण और गांवों के विकास का वर्ष हो। शविकसित भारतश और वीबी–जी राम जी योजना संपूर्ण ग्राम विकास प्राप्त करने में सक्षम है और आज मैं इसी योजना के अंतर्गत एक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहा हूं। चौहान ने कहा कि वे इस योजना के तहत एक कार्यक्रम में भाग लेंगे और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, आजीविका में सुधार लाने और गांवों में समावेशी विकास सुनिश्चित करने पर सरकार के फोकस को दोहराते हुए यह बात कही। इससे पहले शुक्रवार को संसद ने वीबी–जी राम जी विधेयक पारित कर दिया, जिसे लोकसभा की मंजूरी मिलने के बाद राज्यसभा ने भी मंजूरी दे दी। एमजीएनआरईजीए की जगह लेने वाले इस विधेयक के पारित होने से पहले विपक्षी सदस्य राज्यसभा से वॉकआउट

आरएसएस के 100 साल: वीरता नहीं जिम्मेदारी: मोहन भगवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने कहा है कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर को वीरता का कार्य नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का क्षण समझा जाना चाहिए। एक हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि संघ के कार्य के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, इसलिए देशभर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि शताब्दी समारोह शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं हैं। उन्होंने कहा, ष्यह वीरता नहीं है। संगठन की उत्पत्ति को याद करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने रक्त से इस संघ की स्थापना की।

एनडीए की सरकार बनी तो बंगाल का विकास होगा तेज, मंत्री का दावा, ममता का पलटवार

कोलकाता। बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भाजपा राज्य में हर संभव प्रयास कर रही है। बंगाल में चुनाव हो रहे हैं और भाजपा वहां पूरी कोशिश कर रही है। ममता बनर्जी लंबे समय से सत्ता में हैं, लेकिन उनकी राजनीति की अपनी अनूठी शैली है। हालांकि, चौधरी ने कहा कि अगर एनडीए बंगाल में सरकार बनाता है, तो इससे राज्य के विकास को निश्चित रूप से और गति मिलेगी। इस बीच, पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन संशोधन और प्रवासियों का बढ़ता आगमन गरमागरम मुद्दे बन गए हैं, जिन पर आगामी 2026 विधानसभा चुनावों में चुनावी मुद्दे के रूप में चर्चा होने की संभावना है। चुनावी लड़ाई तेज होने के साथ ही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक–दूसरे पर तीखे हमले किए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, षममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में भ्रष्टाचार के कारण पश्चिम बंगाल में विकास रुक गया है। मोदी द्वारा शुरू की गई सभी लाभकारी योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की शिकार हो गई हैं। पिछले 14 वर्षों से भय और भ्रष्टाचार पश्चिम बंगाल की पहचान बन गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 15 अप्रैल, 2026 के बाद, जब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी, तो हम बंगाल की विरासत और संस्कृति के पुनरुद्धार का कार्य शुरू करेंगे। यह शबंगा भूमिश हमारे लिए बहुत महत्व रखती है क्योंकि भाजपा का गठन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया था, जो यहां के एक बड़े नेता थे। शाह ने कहा कि त्रिपुरा और असम में घुसपैठ

अरावली को नष्ट किया तो पीढ़ियों को भुगतना होगा खामियाजा, मोहन भागवत की दो टूक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अरावली पर्वतमाला का उदाहरण देते हुए कहा कि अरावली को नष्ट किया तो पीढिध्यों को इसका खामियाजा भुगतना होगा। स्पष्ट किया कि विकास जरूरी है, लेकिन वह प्रकृति को साथ लेकर ही टिकाऊ हो सकता है। एम्स रायपुर में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दुनिया आज तक ऐसा विकास माडल नहीं बना पाई है, जिसमें पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हो सके। डॉ. भागवत ने कहा कि अरावली पहाडिध्यां केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण संतुलन की रीढ़ हैं।

पत्रकारों के लिए बाबू बालेश्वर ने तैयार किया वट वृक्ष: डा. संजय द्विवेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती/यूपी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक श्री बाबू बालेश्वर लाल की जयंती गुरुवार को टाटा मोटर्स के गोटवा स्थित एसपी ऑटो व्हील्स के सभागार में आयोजित हुआ। इसमें संस्थापक के जीवन और संगठन को लेकर किए गए संघर्ष को याद किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि संगठन के प्रदेश महामंत्री डॉ संजय द्विवेदी ने कहा कि बाबू बागेश्वर लाल ने ग्रामीण पत्रकारों के लिए इस संगठन की नींव रखी और उनके द्वारा लगाया गया पौधा आज वट वृक्ष के रूप में बड़ी संख्या में प्रदेश और देश के हजारों पत्रकारों को संरक्षण देने का काम कर रहा है। वह जिस सोच को लेकर के आगे बढ़े थे आज संगठन की सभी जिला, मंडल और प्रदेश की इकाई उसको लेकर आगे बढ़ रही है। आज संगठन उत्तर प्रदेश के साथ आधा दर्जन से अधिक

राज्यों में अपना विस्तार कर चुका है। पत्रकार हितों की रक्षा को लेकर हमेशा हर स्तर पर संघर्ष के लिए तैयार रहता है उन्होंने संगठन के आगे के कार्यक्रमों और रणनीति के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि संस्थापक कि यह सोच थी कि जो समाज के अंतिम बिंदु पर मौजूद लोगों की समस्याओं को लेकर जिम्मेदारों तक पहुंचाने का काम करता है। उन ग्रामीण पत्रकारों को सुरक्षा और सम्मान दिलाने के लिए यह संगठन हमेशा खड़ा रहता है। पत्रकारों से जुड़ी समस्याओं को लेकर संगठन लगातार मुखर रहते हुए अपने अधिकार की रक्षा को लेकर सराहनीय प्रयास करता रहता है। हाल के दिनों में विभिन्न मांगों को लेकर संगठन के प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाधिकारी, मंडलायुक्त, विधायक और उसके बाद सांसद को ज्ञापन देकर पत्रकारों की समस्याओं और सुविधाओं को लेकर संगठन मुखर हुआ है। अंत में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज तहसील से जुड़े पत्रकार दिलीप श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन पर शोक सभा कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी विवेक कुमार मिश्र ने किया। गोष्ठी में जिला महामंत्री अनिल कुमार पांडेय, केडी मिश्र, सुरेंद्रनाथ द्विवेदी, मोहम्मद इदरीश सिद्दीकी, बृज किशोर यादव, राम जनक यादव, मोहम्मद शकील, अफजल कुरेशी, राकेश चौधरी, एम जाहिद, सत्यराम, उमेश कुमार दुबे, प्रेम सागर पाठक, महेंद्र उपाध्याय, संजय उपाध्याय, बेचू लाल अग्रहरि, चंद्रेश कुमार दुबे, अरुण मिश्र, अनिल श्रीवास्तव, रामकृपाल दुबे, डीके सिंह, बीके लाल, महेंद्र कुमार सोनी, दिनेश कुमार पटेल, योगेश्वर त्यागी, अरुण कुमार मिश्र, रंजीत पांडेय, रमन शुक्ल, विष्णु कुमार शुक्ल, ओमप्रकाश दुबे, जटाशंकर पांडेय, बृजेश कुमार गुप्ता, विजय कुमार शर्मा, श्रवण कुमार पांडेय, देवेंद्र कुमार, रमेश चंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दीक्षा एकेडमी दे रहा है मेघावी छात्रों को नई उड़ान

टीईटी, सीटीईटी से लेकर पुलिस, बैंक व रेलवे भर्ती तक-कम फीस में बेहतर तैयारी का भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। काली मंदिर क्षेत्र में स्थित दीक्षा एकेडमी क्षेत्र के मेघावी छात्रों के लिए शिक्षा और रोजगार की दिशा में एक मजबूत मंच बनकर उभर रही है। एकेडमी के प्रबंधक प्रदीप चौधरी ने बताया कि संस्थान में टीईटी, सीटीईटी, एस-टीईटी, एसएससी, बैंक, रेलवे, टीजीटी, पीजीटी सहित विभिन्न एक दिवसीय प्रतियोगी परीक्षाओं की सुदृढ़ तैयारी कराई जाती है। दीक्षा एकेडमी का मुख्य उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा को निखारते हुए उन्हें रोजगार की ओर अग्रसर करना है। प्रदीप चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि दीक्षा एकेडमी से अब तक कई छात्रों को सफलता मिली है। हाल ही में पुलिस भर्ती में करीब 23 छात्रों का चयन कराया गया है, जबकि जीडी परीक्षा में लगभग 5 छात्रों ने सफलता हासिल की है। इसके अलावा संस्थान में स्टेनोग्राफर की विशेष कक्षाएं भी संचालित की जा रही हैं, जिससे छात्र तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल में भी दक्ष बन सकें। उन्होंने बताया कि दीक्षा एकेडमी में लगभग 15 प्रशिक्षित शिक्षकों की एक

समर्पित टीम कार्यरत है, जो पूरी निष्ठा के साथ छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करती है। बीते करीब दो वर्षों में एकेडमी से लगभग 50 छात्रों को सरकारी व निजी क्षेत्रों में नौकरी मिल चुकी है, जो संस्थान की गुणवत्ता और मेहनत को दर्शाता है। प्रबंधक ने बताया कि दीक्षा एकेडमी विशेष रूप से उन मेघावी छात्रों का स्वागत करती है जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है। ऐसे छात्रों को संस्थान की ओर से निःशुल्क शिक्षण व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाती है, ताकि आर्थिक अभाव उनके सपनों में बाधा न बन सके। सामान्य तौर पर एकेडमी की मासिक फीस 700 से 1000 रुपये के बीच रखी गई है, जो अन्य कोचिंग संस्थानों की तुलना में काफी कम है। सुविधाओं की बात करें तो दीक्षा एकेडमी में डिजिटल लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासेज, छात्रों के लिए आरओ पेयजल, वाई-फाई जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। बेहतर शैक्षणिक वातावरण और अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में दीक्षा एकेडमी आज बस्ती जनपद में शिक्षा का भरोसेमंद केंद्र बनती जा रही है, जहां से छात्र अपने सपनों को नई उड़ान दे रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत को लेकर बस्ती में जोश, रणनीति तैयार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के 5 जनवरी को गोरखपुर में प्रथम आगमन को लेकर बस्ती भाजपा संगठन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। इस अवसर को भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने के उद्देश्य से बस्ती भाजपा कार्यालय में पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की संयुक्त तैयारी बैठक आयोजित की गई। गुरुवार को आयोजित बैठक में असम प्रभारी एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने संगठन के पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ स्वागत कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तय की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि बस्ती जिले के सभी मंडलों से कार्यकर्ता 05 जनवरी 2026 को प्रातः 8 बजे तक बस्ती टोल प्लाजा पर एकत्र होंगे। इसके उपरांत सभी कार्यकर्ता एक विशाल काफिले के रूप में गोरखपुर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी

के स्वागत के पश्चात सभी कार्यकर्ता गोरखपुर एयरपोर्ट होते हुए क्षेत्रीय कार्यालय रानीडीहा पहुंचेंगे, जहां प्रातः 10:30 बजे उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर असम प्रभारी व पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि यह स्वागत कार्यक्रम संगठन की एकजुटता, अनुशासन और कार्यकर्ता शक्ति का परिचायक होगा। सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का प्रथम आगमन पूरे पूर्वांचल के लिए ऐतिहासिक क्षण है। बस्ती भाजपा संगठन पूर्ण उत्साह, अनुशासन और गरिमा के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाएगा। तैयारी बैठक में प्रमुख रूप से प्रमोद पाण्डेय, राकेश कुमार श्रीवास्तव, देवेन्द्र सिंह, अनिल दुबे, हरिद्वार मिश्र, उमाशंकर पटवा, विनय सिंह सोनू, अरविन्द पाल, अंकुर वर्मा, बालकृष्ण पिंटू तिवारी, योगेन्द्र सिंह, अभिषेक कुमार, अरविन्द सिंह, प्रबल मालानी, रघुनाथ सिंह, विनोद चौधरी, सत्येन्द्र शुक्ल जिप्पी, के.के. दुबे, ब्रम्हदेव यादव, अमृत कुमार वर्मा, वरुण सिंह, योगेश, शैलेश पाण्डेय, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता उर्फ रज्जू, अभिनव उपाध्याय, दिलीप पाण्डेय, महेन्द्र चौधरी, परमेश्वर शुक्ल पप्पू, अमित गुप्ता, राजकुमार शुक्ल, सुभाष श्रीवास्तव, प्रफ्फुल श्रीवास्तव, राजन ठाकुर, महेन्द्र सोनकर, प्रमोद गुप्ता, पंकज चौधरी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नगर पालिका ने दिया शहर को झूमर लाइटों के रोशनी की सौगात

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी व अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर बस्ती शहर को एक भव्य सौगात मिली है। नगर पालिका परिषद बस्ती की अध्यक्ष नेहा वर्मा एवं अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता के विशेष प्रयासों से लंबे समय से अंधेरे में डूबे रहने वाले 'बड़ेवन' से 'गुरु गोविंद सिंह चौक' तक के मार्ग को आधुनिक झूमर लाइटों से रोशन कर दिया गया है। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में लगी लाइटों की तर्ज पर

बस्ती के इस मुख्य मार्ग को सजाया गया है। उल्लेखनीय है कि बस्ती का इतिहास भी त्रेतायुग से जुड़ा है, जहाँ महाराज दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ संपन्न कराया था। इसी ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने इस परियोजना को प्राथमिकता पर रखकर पूर्ण कराया। बुधवार शाम आयोजित गरिमामयी उद्घाटन कार्यक्रम में पूर्व सांसद एवं असम प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी, अध्यक्ष नेहा वर्मा और अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता ने विभिन्न लाइट का लीवर गिराकर किया इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन होते ही पूरा मार्ग दूधिया रोशनी और झूमर लाइटों की चमक से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर भाजपा नेता अंकुर वर्मा व ब्लाक प्रमुखा बस्ती सदर राकेश श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और जन प्रतिनिधि मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से सभासद प्रतिनिधि जगदीप श्रीवास्तव, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, सुभाष श्रीवास्तव, कृष्णा कुमार चौधरी, निर्मला यादव, कृष्ण कुमार पाण्डेय उर्फ सोनू, राजन ठाकुर, महेंद्र सोनकर, पंकज चौधरी, परमेश्वर शुक्ला उर्फ पप्पू, फिरोज अहमद, रमेश गुप्ता, अयूब उर्फ अबू एवं पूर्व सभासद नवीन श्रीवास्तव ,सचिन शुक्ला सहित अन्य गणमान्य वरिष्ठ जनो की उपस्थिति रही । नगर पालिका अधिकारी, कर्मचारी, कर निर्धारण अधिकारी उदय भान, अवर अभियंता (सिविल) अर्पित निगम, प्रकाश निरीक्षक अमित शुक्ला, गणेश चंद्र श्रीवास्तव, पार्थ श्रीवास्तव, अश्विनी श्रीवास्तव, दुर्गेश त्रिपाठी, पवन अग्रहरि, पवन वर्मा, रोहन श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। शहरवासियों ने नगर पालिका प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए इसे नए साल का सबसे सुंदर उपहार बताया है।

काकोरी कांड के अमर नायक पं. रामप्रसाद बिस्मिल को जिला कारागार गोरखपुर में श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर/महराजगंज। काकोरी कांड के महानायक एवं अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए ग्राम सभा सिंगहां, जनपद कुशीनगर से पहुंचे समाजसेवी आशीष मणि त्रिपाठी अपने साथियों के साथ जिला कारागार गोरखपुर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने शहीद बिस्मिल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान आशीष मणि त्रिपाठी एवं उनके साथियों ने उस ऐतिहासिक कक्ष का भी दर्शन किया, जहां फांसी से पूर्व पंडित रामप्रसाद बिस्मिल को रखा गया था। उस कक्ष में पहुंचकर सभी भाव-विभोर हो उठे और देश की आज़ादी के लिए शहीदों द्वारा दिए गए अतुलनीय बलिदान को स्मरण

कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने शहीद बिस्मिल के विचारों, अदम्य साहस और देशभक्ति को याद करते हुए युवाओं से उनके पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समाजसेवी आशीष मणि त्रिपाठी ने कहा कि पंडित रामप्रसाद बिस्मिल केवल एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि भारतीय युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत हैं। जिस कक्ष में उन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षण बिताए, वहां जाकर देशभक्ति की जीवंत अनुभूति होती है। हम सभी का दायित्व है कि शहीदों के सपनों का भारत बनाएं और उनके बलिदान को कभी व्यर्थ न जाने दें। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे ऐतिहासिक स्थलों का दर्शन युवाओं को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है और आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ता है। इस अवसर पर दीपू रावत, प्रमोद मिश्रा, डॉ. सुरेश चौहान, इंद्रशन पाण्डेय, चंदन प्रजापति, शिवम त्रिपाठी, सिद्धांत कुमार पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्री राम जन्मभूमि मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के तीसरा वर्ष पूर्ण होने पर उमड़ी आस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। श्री राम जन्मभूमि मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा के तीसरे वार्षिक समारोह के अवसर पर सनातन धर्म चेतना चौरिटेबल ट्रस्ट रजि०, विश्व हिन्दू महासंघ एवं अन्य संगठनों के साथ अन्य लोगों ने गांधी नगर स्थित श्री हनुमान गढ़ी मन्दिर श्री हनुमान चालीसा

का सामूहिक पाठ किया। सभी लोगों ने हाथ में जल लेकर श्री हनुमान जी के सामने खड़े होकर संकल्प लिया कि आजीवन धर्म रक्षा के लिए तैयार रहेंगे, जिस प्रकार श्री हनुमान जी ने अधर्म के विरुद्ध श्री राम की सेना में उत्साह भरकर हर कठिन परिस्थितियों में संकट मोचन बनकर खड़े रहे उसी प्रकार हिन्दू समाज की हर विपरीत परिस्थितियों में हम सभी लोग खड़े रहेंगे ।विधिवत पूजन करके सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, और प्रसाद ग्रहण किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश मिश्र ने कहा कि पौष द्वादशी की तिथि केवल श्री राम जन्मभूमि मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा का वार्षिकोत्सव ही नहीं है यह तिथि समस्त हिन्दू समाज के आत्म गौरव के पुनः स्थापित होने का पर्व है ।आयोजन में राजेश मिश्र, अखिलेश सिंह, सौरभ तिवारी, नागेन्द्र सिंह, बालकृष्ण सिंह, अभिषेक वर्मा, उज्जवल सिंह, अरविंद कुमार पाण्डेय, विवेक श्रीवास्तव, अभय प्रताप सिंह, करन विश्वकर्मा, गुलाब सिंह, उदय पाण्डेय, शिवम् मिश्रा, अर्षण श्रीवास्तव चन्दन के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

बीएनएस से सम्बन्धित अभियोग में वांछित अभियुक्ता गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल निर्देशन में 'थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। उक्त अभियान के अंतर्गत थाना म्योरपुर पर पंजी.त 'मु0अ0सं0. 149/2025, धारा 105 बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्ता को गिरतार किया गया।

घने कोहरे ने बढ़ाया खतरा: अनियंत्रित पिकअप नहर में पलटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/श्यामदेउरवा। जनपद के श्यामदेउरवां क्षेत्र में गुरुवार देर रात घने कोहरे के कारण एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। गोरखपुर से पार्सल लेकर आ रही पिकअप वाहन अचानक संतुलन खो बैठी और सड़क से फिसलते हुए पास की नहर में जा पलटी।

सौभाग्यवश इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और चालक सुरक्षित बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन रात लगभग दो बजे श्यामदेउरवां क्षेत्र में पहुंचा। इसी दौरान घना कोहरा छा जाने से आगे का रास्ता दिखाई देना बंद हो गया, जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया। नहर में पलटने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वाहन चालक की पहचान गोरखनाथ यादव, निवासी गोरखपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पिकअप में मीशो कंपनी का पार्सल लदा हुआ था। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर मदद की। घटना के बाद कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा।

एन्टी रोमियो व शक्ती दीदी के तहत महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। थानाध्यक्ष भवानीगंज बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तहत ग्राम खानतारा में मिशन शक्ति व बहू/बेटी सम्मेलन के सम्बन्ध में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर जाकर बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारें में जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना व बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वन्दन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से सम्बन्धी जानकारी को बताया गया व जागरूक किया गया। मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, एनवटीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर से अवगत कराया गया। वहीं पुलिस आपातकालीन सेवा 112, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, एम्बुलेंस सेवा 108, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा102, वीमेन हेल्पलाइन 181, अग्निशमन सेवा 101 के बारें में जानकारी दी गई व जागरूक किया गया।

पुलिस ने नपं शोहरतगढ़ के छतहरा में महिलाओं को सुरक्षा के बारें में दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ नवीन

कुमार सिंह के निर्देशन में गुरुवार को थाना क्षेत्र ग्राम पंचायत छतहरा में मौजूद रहें बच्चियों को जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी। दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला सम्बन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं, के बारें में जानकारी दी गई। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर नये कानून के बारें में जानकारी दी गई।

सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन ने मनाया धूम–धाम से नया वर्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के बार भवन में आज नव वर्ष के प्रथम दिन न्यायिक अधिकारी गण और अधिवक्ताओं ने एक साथ बैठकर नए वर्ष में अच्छा अनुकदीय काम करने का संकल्प लिया सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के महामंत्री .पा शंकर त्रिपाठी ने कार्यकारिणी प्रमोद सिंह अमित त्रिपाठी प्रमोद दुबे नरेंद्र भार्गव नागेंद्र नाथ पांडे विकास शुक्ला दीपक पाण्डेय के साथ मिलकर सिविल सिद्धार्थ बार को नई ऊंचाइयां प्रदान करने वाले वरिष्ठतम अधिवक्ता राम शंकर सिंह उर्फ शेखर सिंह तथा बार के वर्तमान अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह को अंगवस्त्र से सम्मानित करने का कार्य किया। सम्मान समारोह को नव वर्ष से जोड़ते हुए जनपद न्यायाधीश अजय कुमार श्रीवास्तव तृतीय ने कहा की सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के कार्यकारिणी का अपने वरिष्ठों को सम्मानित करना वह भी वर्ष के प्रथम दिन इससे बढ़िया कार्य हो नहीं सकता मैं अपने समस्त न्याय का अधिकारियों के तरफ से बार को आश्वस्त करता हूं की न्यायालय के तरफ से अधिवक्ताओं के सम्मान में कोई कमी आने नहीं दी जाएगी। प्रधान न्यायाधीश अखिलेश पांडे ने महामंत्री .पा शंकर त्रिपाठी को धन्यवाद करते हुए कहा कि समाज को आपने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है कि जो बार के लिए जीवन समर्पित कर दिया हो उसे सम्मान दिया जाए।मोटर दुर्घटना न्यायालय के न्यायाधीश श्री अरविन्द राय ने समस्त अधिवक्ताओं को इस अनुकरणीय काम के लिए साधुवाद दिया।धन्यवाद व आभार व्यक्त करते हुए अखंड प्रताप सिंह अध्यक्ष सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन ने बार के इतिहास और निर्माण पर प्रकाश डाला और बताया की किस तरह से संघर्ष करके बार को सम्मानजनक स्थान पर लाने का कार्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने किया है इसलिए आज अगर वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान किया जा रहा है यह उल्लेखनीय कार्य है जो हमेशा याद रहेगा। सभा में पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष शत्रुघ्न चौधरी पूर्व अध्यक्ष इंद्र कुमार सिंह पूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार दुबे प्रशांत मिश्रा राजेश मिश्रा पंकज सिंह भृगु नारायण द्विवेदी राकेश कुमार सिंह अनूप दुबे सनी बद्री बाल्मिक संतोष मिश्रा श्री .ष्णा मिश्रा प्रभाकर मिश्रा पशुपति दुबे आदि अधिवक्ताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन को एसएसपी पद पर पदोन्नति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नये बर्ष 2026 के शुभारम्भ में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन को उनके उत. की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। आपको बता दें कि पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन को एसएसपी पद पर पदोन्नति होने पर एएसपी शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह, थानाध्यक्ष कठेला समयमाता अभय सिंह, थानाध्यक्ष ढेबरूआ नारायन लाल श्रीवास्तव, थानाध्यक्ष इटवा रविन्द्र सिंह, थानाध्यक्ष मिश्रौलिया राजेश तिवारी, थानाध्यक्ष गोल्हौरा रामदेव, थानाध्यक्ष डुमरियागंज श्रीप्रकाश यादव, थानाध्यक्ष ड़िड़ई मनोज मौर्य, थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर चन्द्रकान्त पाण्डेय, थानाध्यक्ष भवानीगंज बृजेश सिंह, थानाध्यक्ष पथरा अमित कुमार, थानाध्यक्ष बांसी मृत्युंजय पाठक, थानाध्यक्ष खेसरहा अनूप कुमार मिश्र,

ष्ट सेवा एवं कार्यों के फलस्वरूप वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

इस पदोन्नति के अवसर पर उपमहानिरीक्षक (डीआईजी), परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय बस्ती पर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन को एक अतिरिक्त स्टार श्वेत धातु लगाकर सम्मानित किया गया। वहीं उपमहानिरीक्षक (डीआईजी), परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी ने एसएसपी के उज्ज्वल भविष्य सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद, सीओ सदर विश्वजीत सौरयान, सीओ नौगढ़ नरेन्द्र कुमार, सीओ शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी, सीओ इटवा पवीन प्रकाश, सीओ डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा, सीओ बांसी सुश्री रोहिणी यादव, थानाध्यक्ष सिद्धार्थनगर दुर्गा प्रसाद, थानाध्यक्ष लोटन दिनेश कुमार सरोज, थानाध्यक्ष मोहाना जितेन्द्र सिंह, थानाध्यक्ष कपिलवस्तु सन्तोष कुमार तिवारी, थानाध्यक्ष उसका बाजार हरे . ष्ण उपाध्याय, थानाध्यक्ष चिल्हियां राजेश कुमार गुप्ता, थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर मीरा चौहान, थानाध्यक्ष महिला सिद्धार्थनगर भाग्यवती पाण्डेय, एण्टी रोमियो स्क्वाड पुलिस प्रभारी सिद्धार्थनगर शाइस्ता, यातायात प्रभारी सिद्धार्थनगर अमरेश कुमार व समस्त चौकी प्रभारी सहित मीडिया के नजीर मलिक, संजीव श्रीवास्तव, साजिद, सुनील मिश्रा, राजेश शर्मा, मुकेश धर द्विवेदी, सरताज आलम, सोमनाथ, असदुल्ला सिद्दीकी, नुरुल खान, ओजेर खान, सलमान हिन्दी व अन्य लोग ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

ग्राम पंचायत बड़गो में विलोपित नाम जुड़वाने को लेकर जिलाधिकारी से मिले पूर्व प्रधान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खंड जोगिया उदयपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़गो के कई लोगों का नाम मतदाता सूची से काट वा समाप्त कर दिया गया है मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए बीएलओ को कई बार कहा गया लेकिन यह ना ध्यान देकर नाम को विलोपित कर दिया गया पुन रू नाम को जोड़ने के लिए जिला अधिकारी महोदय से ज्ञापन के माध्यम से नाम जोड़ने के लिए बात रखी गई उन्होंने शिकायतकर्ता की बात को सुनकर सदर उप जिला अधिकारी कल्याण सिंह मौर्य को जाकर मिलने की बात कह कर अपनी समस्या को अवगत कराओ और वह आपके समस्या का समाधान को कर दिया जाएगा उसके उपरांत जिलाधिकारी

कार्यालय के बाद तमाम ग्रामीण महिला और पुरुषों एवं पूर्व ग्राम प्रधान बड़गो के राम अवतर यादव शिकायतकर्ता जुब्बा देवी, कुसुम सुनीता ,अनिता , अर्जुन यादव सिकंदर यादव ,धर्मेंद्र ,सुकई ,राम अवध आदि कई लोगों ने एसडीम सदर से मिलकर विलोपन नाम को पुनः जोड़ने के लिए सूचित किया गया तब उन्होंने कहा कि हम बीएलओ को आपकी समस्या को भेज दे रहा हूं उसे समय से आपका नाम जोड़ने का काम करेंगे परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है आपका समाधान किया जाएगा ैक्ड कल्याण सिंह मौर्य ने कहा जो त्रुटि हुई है उन्हें सुधार कर कार्य किया जाएगा जिसमें तमाम ग्रामीण महिलाओं पुरुषों ने अपने नाम का विलोपन होने पर उन्हें पुनः वोटर आईडी में जुड़वाने के लिए एसडीएम से मिलकर अपने घर के लिए चले गए। जिससे ग्रामीणों में सन्तोष जनक परिणाम आने पर लोगों को सांत्वना मिला है।

पुलिस ने नारी सुरक्षा, नारी सम्मान के सम्बन्ध में दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। प्रभारी निरीक्षक इटवा रविन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति 5.0 कार्यक्रम के तहत थाना इटवा मिशन शक्ति टीम द्वारा थानाक्षेत्र के गलादेवी मंदिर मे जाकर लड़कियों और महिलाओं को एकत्रित करके मिशन शक्ति 5.0 के सम्बन्ध में जाकर बालिकाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारें में जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना व बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वन्दन अधिनियम मातृ शक्ति को स्वावलम्बन निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से सम्बन्धी जानकारी को बताया गया व जागरूक किया गया। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, एन्टीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर– 112, पुलिस आपातकालीन सेवा , 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 181 वीमेन हेल्पलाइन, 101अग्निशमन सेवा आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इस दौरान थाना इटवा मिशन शक्ति टीम में उप निरीक्षक अनिल ओझा, कांस्टेबल सचिन यादव, महिला आरक्षी रविता यादव, महिला आरक्षी साधना यादव, महिला आरक्षी अल्का त्रिपाठी उपस्थित रहीं।

मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थ के विक्रय पर रोक लगाने की चला अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में

नववर्ष के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थ के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु सहायक आयुक्त (खाद्य) के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा बर्डपुर, नौगढ़ स्थित कपिलवस्तु रेस्टोरेन्ट, स्पाइसी 7 डेज रेस्टोरेन्ट, मून लाइट रेस्टोरेन्ट, रॉयल पिज़्ज़ा कैफ़े, दिलीप स्वीट्स, अमृत चाय, केसर चाय, अनिल बेकर्स, परमात्मा बेकर्स, माँ वैष्णो मंचूरियन सेन्टर, स्वीट्स शॉप सहित 35 खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण कर जांच की गई। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने व मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री न करने हेतु जागरूक किया गया। टीम में सहायक आयुक्त (खाद्य) सस आर एल यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेन्द्र प्रताप सिंह एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण हीरा लाल, नीरज कुमार चौधरी, जय प्रकाश और रंजन कुमार श्रीवास्तव सम्मिलित रहे।

एडीएम सिद्धार्थनगर ने सड़क सुरक्षा जागरूकता वैन को दिखाई हरी झण्डी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नये बर्ष शुभारम्भ पर गुरुवार को अपर जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर गौरव शुक्ला ने 05 सड़क सुरक्षा प्रचार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए सड़क सुरक्षा माह (01 जनवरी से 31 जनवरी) का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर परिवहन विभाग, पुलिस विभाग व अन्य स्टेकहोल्डर्स विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान हेलमेट व सीटबेल्ट जागरूकता सम्बन्धित स्टीकर भी वाहनों पर लगाये गए तथा सड़क सुरक्षा शपथ भी दिलाई गई।

पुलिस ने चोरी के आरोप में वांछित अभियुक्त को किया गिरतार, भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डा0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी बांसी सुश्री रोहनी यादव के कुशल निर्देशन में एवं प्रभारी निरीक्षक बांसी मृत्युंजय पाठक के नेतृत्व में गुरुवार को मु0अ0सं0 231/2025 धारा 331(4), 305,317 ठछै थाना बांसी में वांछित अभियुक्त को गस्त/नववर्ष शान्ति व्यवस्था के दौरान राप्ती नदी पुराने पुल के पास गिरतार किया गया तथा मा0 न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरतार अभियुक्त मनोज केवट पुत्र राम जियावन निवासी मोहल्ला पटेल नगर केचुआगढ़ थाना कोतवाली बांसी जनपद सिद्धार्थनगर है। इस दौरान गिरतार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक बांसी मृत्युंजय पाठक, उप निरीक्षक स्वामीनाथ भास्कर, हेड कांस्टेबल अमरनाथ यादव, कांस्टेबल दिलीप निषाद उपस्थित रहें।

सिद्धार्थनगर में नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान सख्ती से लागू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में जनपद में सड़क सुरक्षा को सु.ढ़ करने एवं दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों व घायलों की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान को सख्ती से लागू किया गया है। यह विशेष अभियान 19 दिसम्बर 2025 से 17 जनवरी 2026 तक प्रभावी रहेगा। जिलाधिकारी कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प संचालकों एवं स्वामियों को निर्देशित किया गया है कि बिना हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चालकों व पीछे बैठे सवारों को पेट्रोल डीजल का विक्रय न किया जायें। साथ ही सभी पेट्रोल पम्प परिसरों में उक्त आदेश से

सम्बन्धित बड़े–बड़े होर्डिंग एवं सूचना बोर्ड लगाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। वहीं आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 129 एवं उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली 1988 के नियम 201 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है। इसके उल्लंघन पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 177 के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्रवाई एवं जुर्माने का प्रावधान है।जिलाधिकारी ने निर्देश दिये हैं कि अभियान अवधि में सभी सम्बन्धित विभाग पुलिस प्रशासन परिवहन विभाग खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तथा जिला प्रशासन आपसी समन्वय से अभियान का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करायें। किसी भी स्तर पर लापरवाही या उल्लंघन पाये जाने पर सम्बन्धित पेट्रोल पम्प स्वामी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। इस आदेश की प्रति आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर समस्त उप जिलाधिकारी सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी जिला पूर्ति अधिकारी एवं जनपद के सभी पेट्रोल पम्प डीलरों को अनुपालन हेतु भेजी गई है। साथ ही जिला सूचना अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि आदेश का व्यापक प्रचार प्रसार दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से कराया जायें। प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें यातायात नियमों का पालन करें और सड़क सुरक्षा में प्रशासन का सहयोग करें।

सीओ ने सर्किल शोहरतगढ़ के कार्यालय में किया समीक्षा गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी ने गुरुवार को अपने कार्यालय में को सर्किल शोहरतगढ़ के समस्त थाना प्रभारी, मिशन शक्ति केन्द्र प्रभारी और महिला बीट आरक्षियों के साथ लम्बित विवेचनाएं, अपराध समीक्षा और मिशन शक्ति केन्द्र के कार्यों की समीक्षा गोष्ठी की गयी और थाना प्रभारी/विवेचकगण को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। तत्पश्चात विवेचनाओं के निस्तारण, पुराने मामलों के निस्तारण, जनशिकायत, मिशन शक्ति केन्द्र पर प्राप्त प्रार्थना–पत्रों के निस्तारण के सम्बन्ध में कड़े निर्देश दिये गये। शहर व ग्रामीण इलाकों में पैदल गश्त, साइबर अपराध के रोकथाम सम्बन्धी प्रचार–प्रसार, साक्ष्य के आधार पर विवेचनाओं का निस्तारण एवं अभियुक्तों के प्रति वैधानिक कार्यवाही, साइबर अपराध, निरोधात्मक कार्यवाही में गुण्डा अधिनियम, गैंगेस्टर अधिनियम व डन्स्म अकाउन्ट व च्व्ै (प्वाइन्ट ऑफ सेल) जांच के अन्तर्गत कार्यवाही किये जाने आदि बिन्दुओं पर निर्देश दिया गया। उक्त गोष्ठी के दौरान सर्किल के थानाध्यक्ष चिल्हियां राजेश कुमार गुप्ता, थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह, थानाध्यक्ष कठेला समयमाता अभय सिंह, थानाध्यक्ष ढेबरूआ नरायन लाल श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

बहू बेटी कार्यक्रम : पुलिस ने महादेईया में बालिकाओं को किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय

महिला थाना सिद्धार्थनगर के निर्देशन में थानाक्षेत्र कपिलवस्तु के ग्राम महादेईया की महिलाओं/बालिकाओं को जो थाने तक नहीं आ सकती हैं को बहू बेटी सम्मेलन लगाकर व साइबर जागरुकता अभियान व विडीयो दिखाकर जागरुक किया गया। वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं, के बारें में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन,108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर नये कानून के बारें में जानकारी दी गई।

सम्पादकीय

जला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव प्रचार खर्च की सीमा 7 लाख तक है। जिला पंचायत सदस्य उम्मीदवार के चुनाव प्रचार खर्च की सीमा 2.5 लाख रुपये है। समय समय पर पंचायत चुनाव में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए सीटें भी निर्धारित हुईं। महिला आरक्षण भी लागू है। ध्यातव्य है कि इससे गांवों में दलितों, पिछड़ों और वंचितों में स्वाभिमान...

नए वर्ष में गाँवों में बनेगी नई लोकतांत्रिक सरकार

उत्तर प्रदेश में ग्राम प्रधान चुनाव ग्रामीण विकास को गति देने के साथ0 स्थानीय लोगों को अपने प्रतिनिधित्व चुनने का अधिकार भी प्रधान करते हैं द्य पंचायत चुनाव, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने के साथ–साथ एक सशक्त और जिम्मेदार स्थानीय शासन की प्रणाली का निर्माण करते हैं।

काबिल ए गौर है कि आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन इसलिए हो संभव हुआ क्योंकि यहां के गांव परिवर्तित हुए। त्रिस्तरीय पंचायत की शुरुआत बलवंत राय मेहता समिति (1957) की सिफारिशों पर हुई थी, जिसका उद्देश्य लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण करना था, और इसका उद्घाटन पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में किया था, जिसके बाद आंध्र प्रदेश दूसरा राज्य बना।

गौरतलब है कि बलवंत राय मेहता समिति (1957) ने त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद की सिफारिश की थी। न्याय पंचायत इस त्रिस्तरीय प्रणाली का हिस्सा नहीं है। इसके बजाय, यह एक न्यायिक निकाय के रूप में कार्य करती है जिसे ग्राम स्तर पर विवादों के समाधान के लिए स्थापित किया जा सकता है, लेकिन बलवंत राय मेहता समिति द्वारा अनुशंसित मूल ढांचे में इसे शामिल नहीं किया गया था। बलवंत राय मेहता को पंचायती राज का जनक कहा जाता है।

ध्यातव्य है कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश के ग्राम पंचायतों में चुनाव के द्वारा गांव की नव निर्वाचित अपनी सरकार चुनी जाएगी। पंचायती राज अधिनियम (73वां संविधान संशोधन अधिनियम) सन 1992 में पारित हुआ और 24 अप्रैल, 1993 से लागू हुआ, जिसने पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा दिया और इसे ग्रामीण स्वशासन की एक औपचारिक और त्रि–स्तरीय प्रणाली (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद) के रूप में स्थापित किया, जिसमें चुनाव, आरक्षण और वित्तीय शक्तियाँ शामिल हैं। उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। संवाद माध्यमों के अनुसार, यू पी में पंचायत चुनाव 2026 में अप्रैल से जुलाई के बीच कराए जा सकते हैं। ग्राम प्रधान के चुनाव खर्च की सीमा वर्तमान में 1.25 लाख रुपये हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव प्रचार खर्च की सीमा 7 लाख तक है। जिला पंचायत सदस्य उम्मीदवार के चुनाव प्रचार खर्च की सीमा 2.5 लाख रुपये है। समय समय पर पंचायत चुनाव में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए सीटें भी निर्धारित हुईं। महिला आरक्षण भी लागू है। ध्यातव्य है कि इससे गांवों में दलितों, पिछड़ों और वंचितों में स्वाभिमान और सम्मान के भाव का उदय हुआ। गांवों में सामंतशाही के खात्मे के लिए और आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक पुनर्निर्माण में पंचायत चुनावों की महती भूमिका है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

सामान्य व्यावहारिक अन्तर्राष्ट्रीय नववर्ष की शुभकामनाएँ : एक संतुलित दृष्टि।

आचार्य (डॉ) शिशिर मिश्रा महर्षि कर्दम आश्रम श्री सांख्य मठ

अन्तर्राष्ट्रीय नववर्ष की बधाइयाँ देना कोई अपराध नहीं है। यह नववर्ष सभी के लिए मंगलमय हो–यही कामना मानवीय संवेदना और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। किंतु दुर्भाग्यवश, नववर्ष के आगमन पर अंग्रेजी बनाम सनातनी जैसी बहसें अनावश्यक रूप से तीखी हो जाती हैं। केवल सैद्धांतिक प्रवचन कर देना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि व्यवहार और विचार–दोनों में संतुलन आवश्यक है।यह तथ्य निर्विवाद है कि लोक–व्यवहार में हम पंचाङ्ग नहीं, बल्कि ग्रेगोरियन कैलेंडर का ही उपयोग करते हैं। जन्मतिथि, सरकारी अभिलेख, विद्यालयों का शैक्षणिक सत्र, न्यायालयों की तारीखें, बैंकिंग व्यवस्था, व्यापार और प्रशासन–सब कुछ ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है।सरकारी स्तर पर भारतीय शक संवत् को मान्यता अवश्य प्राप्त है, किंतु यह भी सत्य है कि बहुत कम लोग इसके महीनों, तिथियों और गणना पद्धति से परिचित हैं।वहीं दूसरी ओर, धर्म–कर्म और सांस्कृतिक परंपराओं में हम विक्रमी संवत् और पंचाङ्ग का ही अनुसरण करते हैं। पर्व, व्रत, उत्सव, विवाह, यज्ञ और अन्य संस्कार पंचाङ्ग की तिथि, नक्षत्र और योग पर आधारित होते हैं। परंतु यह भी किसी से छिपा नहीं है कि इन्हीं पंचाङ्गीय तिथियों को लेकर कितना भ्रम और विवाद उत्पन्न होता है। प्रत्येक पर्व पर तिथि–निर्णय को लेकर मतभेद दिखाई देते हैं। प्रत्येक पखवाड़े एकादशी के निर्णय को लेकर होने वाला विवाद तो सर्वविदित है।अब यदि यह कल्पना की जाए कि न्यायालयों में पंचाङ्ग की तिथियों के अनुसार तारीखें लगने लगें, या सरकारी कामकाज चंद्रमास आधारित गणना से होने लगे, तो व्यवहारिक कठिनाइयों की कल्पना मात्र से ही स्थिति स्पष्ट हो जाती है। चंद्र तिथि की क्षय–वृद्धि, अधिक मास और तिथि–क्षय जैसी जटिलताएँ लोक–व्यवहार को अत्यंत कठिन बना देंगी।इसीलिए प्रतिदिन के व्यवहार में जिस कैलेंडर का प्रयोग हम स्वयं करते हैं, उसके अनुसार शुभकामनाओं का आदान–प्रदान करने में कोई दोष नहीं है। अन्तर्राष्ट्रीय नववर्ष की शुभेच्छाएँ देना न तो सनातन संस्कृति के विरुद्ध है और न ही धर्म से विमुख होने का प्रमाण। यह केवल वैश्विक सामाजिक व्यवहार का हिस्सा है।हाँ, इतना अवश्य स्मरण रखा जाना चाहिए कि पंचाङ्ग आधारित सनातनी नववर्ष– चौत्र शुक्ल प्रतिपदा–का स्वागत उससे कहीं अधिक उत्साह, श्रद्धा और सांस्कृतिक चेतना के साथ किया जाए। क्योंकि वह नववर्ष केवल भौतिक समय–चक्र का परिवर्तन नहीं, बल्कि प्र.ति, सृष्टि और आध्यात्मिक जीवन के साथ गहन सामंजस्य का प्रतीक है।हमारी सनातन संस्कृति भौतिकता से अधिक धर्म, कर्तव्य और आत्मिक उन्नति को महत्व देती है,आवश्यकता है टकराव की नहीं, बल्कि समन्वय की–जहाँ लोक–व्यवहार में व्यावहारिकता हो और सांस्कृतिक जीवन में अपनी जड़ों के प्रति गर्व और निष्ठा। यही संतुलित .ष्टि समाज को आगे बढ़ाती है और यही सनातन परंपरा की वास्तविक शक्ति है।

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुद को बेहतर मनुष्य बनाने की करें नई शुरुआत

इस खतरे की घंटी को, अभी और अभी, फौरन से पेश्तर सुने जाने की जरूरत है। इसलिए कि हमारी आज की सबसे बड़ी जरूरत मनुष्य के रूप में अपनी रक्षा की है। हम यह रक्षा कर पाये तो वह सब भी फिर से पाने की उम्मीद कर सकते हैं, जो पहले गंवा आये हैं। लेकिन नहीं कर पाये तो ? इस सवाल का जवाब भला किसे मालूम नहीं ? और किसे नहीं मालूम कि उससे बचने का एक ही तरीका है कि हम नये साल में प्राणपण ...

याद आता है, अपने वक्त के जमीर की आवाज मिर्जा गालिब ने भी उस वक्त की लगभग इसी तरह की बेबसी को इन शब्दों में व्यक्त किया था रू बस–कि दुश्वार है हर काम का आसां होना, आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना। देश का दिल कहलाने वाली राजधानी दिल्ली इन दिनों जहरीले हवा–पानी के कारण अपने शहरियों की सेहत के लिए कोरोना के बाद का सबसे बड़ा संकट झेल रही है। दिल्ली के अखबारों में छपी वर्षांत छोटी–छोटी बात में जानलेवा हिंसा की खबरें चीख–चीख कर यह जता रही हैं कि उसकी सामाजिक सेहत और भी खराब है, इतनी खराब कि उसके कई निवासियों को सहज मनुष्यता से भी महरूम कर, उन्हें मनुष्य की जगह हत्यारा बना दिया है। लेकिन दिल्ली ही क्यों, इन्हीं अखबारों में छपी गोरखपुर की उस खबर को पढ़ लें, जिसमें ग्यारहवीं के एक छात्र को ह्वाट्सएप पर लगाये उसके एक स्टेटस से खफा सिरफिरों ने उसके कालेज में ही गोलियों से भून डाला, तो साफ हो जाता है कि शेष देश का हाल भी कुछ अच्छा नहीं है। साफ कहें तो वहां की सामाजिकता भी इतने अंदेशों के हवाले है कि सिर्फ वही अपने को सुरक्षित अनुभव कर सकते हैं, जो किसी की असुविधा के कारण नहीं हैं। लेकिन इस लिहाज से, इसके बावजूद, उनकी मुश्किलों का अंत बहुत मुश्किल है कि जो हालात हैं, उनमें बहुत चाहकर भी किसी की असुविधा का कारण न बनना संभव नहीं हो पा रहा। बढ़ता धार्मिक व साम्प्रदायिक विद्वेष और प्रदूषित राजनीतिक

प्रतिद्वंद्विताएं बेतरह इसके आड़े आ रही हैं। तिस पर आम लोगों की बात करें तो वे अपने एकांत में तो अकेले हैं ही, भीड़ भरी सड़कों पर भी अकेले ही हैं। क्योंकि जब भी उनके जैसे किसी निरीह या निर्दोष पर कोई प्रहार होता है, भरी हुई सड़कें देखकर भी कुछ नहीं देखतीं। बुजदिली की शरण में चली जाती और मृत्यु से पहले ही मर जाती हैं। माब लिंचिग जैसी वारदातों के वक्त बढ़–चढ़कर श्बहादुरीश प्रदर्शित करने वालों का पौरुष उस वक्त जानें कहां चला जाता है। शायद इसलिए कि उनके निकट मारना बचाने से बड़ा जीवन–मूल्य हो गया है और किसी की रक्षा के लिए अपनी जान खतरे में डालने का जोखिम उन्हें इतना बड़ा लगता है कि वे उसको उठा नहीं पाते। ऐसे में जब कभी धूमधाम से आई इक्कीसवीं शताब्दी के एक चौथाई वर्ष निरूशेष होने वाले हैं और बर्फीली हवाएं ठिठुरन बनकर तन–मन को बेधे जा रही हैं, आगे मनुष्य के मनुष्य ही न रह पाने के अंदेशे जताती इन खबरों के बीच जो बात सबसे ज्यादा सताती है, वह, निस्संदेह, स्मृतिशेष वीरेन डंगवाल द्वारा अरसा पहले अपनी एक कविता में पूछे गये इस सवाल के अनुत्तरित रह जाने से पैदा हुई है रू आखिर हमने कैसा समाज रच डाला है, जिसमें जो कुछ भी चमक रहा है काला है? याद आता है, अपने वक्त के जमीर की आवाज मिर्जा गालिब ने भी उस वक्त की लगभग इसी तरह की बेबसी को इन शब्दों में व्यक्त किया था रू बस–कि दुश्वार है हर काम का आसां होना, आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना। ऐसे में यह सवाल भी बहुत स्वाभाविक है कि क्या हम अपनी मनुष्यता के लिहाज से गालिब के वक्त में ही खड़े रह गये हैं? अगर नहीं तो क्यों हमारे बीच कोई इतना बेदर्द है कि इन हालात में नये साल की शुभकामनाएं देते हुए उसका कलेजा फटने को नहीं आ जाता और क्यों जगजीत सिंह की गाई इस मशहूर गजल के शायर को कहना पड़ता है कि श्तुमको ये नया साल मुबारक हो दोस्तो, मैं जख्म गिन रहा हूं अभी पिछले साल के! पिछला वर्ष इस तरह कलेजा निकाल कर जायेगा तो कौन इस भ्रम के सहारे खुश हो सकता है कि इक बरहमन ने कहा है कि साल अच्छा है या कि किस्से बनेंगे अबके बरस भी कमाल के। अगर पिछले साल के जख्म गिनने की विडम्बना उसका साथ नहीं छोड़ती तो इस बात से क्या फर्क पड़ता है कि मीर–ए–कारवां को यह देखने की फुर्सत है या नहीं कि वह आ रहा है पांव के कांटे निकाल के! यहां कह सकते हैं कि 2025 ने बहुत से जख्म दिए तो छाती चौड़ी करने के अनेक मौके भी। लेकिन इस बात का क्या करें कि इससे यह गम गलत नहीं होता कि उसने हमें मनुष्यता के उदात्तीकरण की ओर ले जाने के बजाय उसके अवसान के अंदेशे ही प्रबल किये हैं। ये अंदेशे उत्सव बनते बड़े–बड़े युद्धों और उनमें निरीह बच्चों तक के संहारों में ही नहीं, हमारे निजी व सामाजिक जीवन की छोटी–छोटी कुटिलताओं में भी नजर आते हैं। बकौल कविवर हरीशचंद्र पांडे, 'नया साल मुबारक हो' कहते हुए लगता है कि हम झाड़ियों के उलझाव से बाहर निकलने की कोशिश करती बैलों के गले में बंधी घंटियों में बदल गये हैं। इस खतरे की घंटी को, अभी और अभी, फौरन से पेश्तर सुने जाने की जरूरत है। इसलिए कि हमारी आज की सबसे बड़ी जरूरत मनुष्य के रूप में अपनी रक्षा की है। हम यह रक्षा कर पाये तो वह सब भी फिर से पाने की उम्मीद कर सकते हैं, जो पहले गंवा आये हैं। लेकिन नहीं कर पाये तो? इस सवाल का जवाब भला किसे मालूम नहीं? और किसे नहीं मालूम कि उससे बचने का एक ही तरीका है कि हम नये साल में प्राणपण से अपनी मनुष्यता को बचायें और बेहतर बनायें।

नये साल में तरक्की के रास्ते सरकार व समाज के साझे प्रयासों से तय होंगे। यह ठीक है कि पिछले सालों में हमने खूब तरक्की की है। मगर जो तरक्की की दौड़ में पिछड़ गए हैं, उनका भी ख्याल होना चाहिए। हम विमान में सामान लेकर चलते हैं। केबिन के अंदर हमें चमक–दमक वाला कैरी बैग तो नजर आता है। मगर जहाज के पीछे–नीचे कारगो होल्ड में रखा चेकइन बैगेज नजर ...

कृपया पेटी बांध लें, हम कर्तव्य के नये रन–वे पर उतरने को हैं!

यह ठीक है कि पिछले सालों में हमने खूब तरक्की की है। मगर जो तरक्की की दौड़ में पिछड़ गए हैं, उनका भी ख्याल होना चाहिए। ऊंची उड़ान के दौरान पीछे के स्याह सच को भी देखना जरूरी था। नये साल में देश को समावेशी विकास की जरूरत है। जरूरी है कि महिला आबादी के लिए न्याय व समानता यकीनी बने। सभी तबकों के लिए सुरक्षा, रोजगार व स्वच्छ पर्यावरण के दावे भी हकीकत बनें। बीती रात सारे देश में मौज–मस्ती का माहौल रहा। लोग होटलों में लाइन लगाकर जगह तलाशते रहे। मॉल से लेकर क्लबों तक में रंगारंग कार्यक्रम व अलग–अलग मौज–मस्ती के तौर–तरीके आजमाए जाते रहे। लेकिन ऐसे शोरगुल में उस बड़ी आबादी की चीख–पुकार गुम होकर रह गयी जो सड़कों और रैन बसेरों में रात काट रही थी। समाज के आखिरी छोर पर खड़े सभी लोगों को हमें अगले सफर पर साथ लेकर चलना होगा। हम वर्ष 2026 के रन–वे पर उतरने के लिये उड़ान भर चुके हैं। अपने कर्तव्य की पेटियां बांध लें। बीते सफर में हमने जो हासिल किया और जो गंवाया, उस पर मंथन की भी जरूरत है। सरकारों ने हमें विकास की उजली तसवीर दिखायी है। इसमें दो राय नहीं है कि हमने तमाम क्षेत्रों में कामयाबी की उड़ान भरी थी। लेकिन ऊंची उड़ान के दौरान नीचे के स्याह सच को भी देखना जरूरी था। देश में बेरोजगारी कम होती नजर नहीं आई है। जब–तब सांप्रदायिकता का फन सिर उठाता रहा। आर्थिक गैर–बराबरी दूसरी बड़ी चुनौती है। अमीर और अमीर तथा गरीब ज्यादा

गरीब होता रहा है। कामयाबी की उस उड़ान के वक्त धरातल की हकीकत पर नजर डालनी चाहिए थी। अब जब हम नये साल के रन–वे पर उतरने को तैयार हैं तो कृपया अपने कर्तव्य की पेटी बांध लें। यह एक कड़वी हकीकत है कि महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय कम नहीं हुए। कई इलाकों से यौन हिंसा की खबरें अकसर आती रहीं। सेंगर प्रकरण की पूरे देश में गूंज रही। फिर देश की सबसे बड़ी अदालत ने हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर तीखी प्रतिक्रिया के बाद उसे रोक दिया। सवाल फिर वही है कि क्या एक नागरिक के रूप में हम अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते रहे? क्या हम प्रभावशाली राजनेताओं को कठघरे में खड़ा करने के लिये पीड़ित के साथ खड़े हुए? क्या हम और सरकार लोकतांत्रिक मर्यादा के साथ बंधे रहे? पिछले दिनों आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने संसद में देश के गिग–वर्कर्स का मुद्दा उठाया, जो अपनी जान जोखिम में डालकर ग्राहकों का ऑर्डर डिलीवर करते हैं। एक तरफ उन्हें कंपनियों के मालिकों के सख्त व्यवहार का शिकार होना पड़ता है, वहीं किसी कारण अगर ऑर्डर डिलीवरी देने में तकनीकी कारणों से देरी होती है तो उन्हें लोगों के गुस्से का शिकार बनना पड़ता है। लोग कुछ मिनट देर होने पर उन्हें अनाप–शनाप कहने से पीछे नहीं हटते। हालांकि, हाल ही में केंद्र सरकार ने गिग वर्करों के वेतन, सेवा शर्तों व चिकित्सा सुविधा देने को अनिवार्य किया, लेकिन कंपनियों के मालिक उनके वाजिब हक देने को राजी नहीं दिखते। जिसकी वजह से डिलीवरी करने वाले गिग–वर्कर आंदोलन के रास्ते चलने को तैयार बैठे हैं। छोटे दुकानदारों का अलग दर्द है कि जब से मॉल और ऑनलाइन कारोबार ने रफ्तार पकड़ी, उनका धंधा चौपट होता गया है। भले हम दुनिया में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था की ओर उडारी भरने को उत्सुक हैं, मगर पिछड़ों व वंचितों को भी साथ लेकर चलने की दिशा में बढ़ते हुए कृपया अपने कर्तव्यों की पेटी बांध लें। वैसे, देश में प्रधानमंत्री के उद्घोष 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' का मंत्र सिरे चढ़ता नजर आ रहा है। यूं तो देश में भ्रष्टाचार की कमी नहीं है लेकिन राजग सरकार व भाजपा शासित राज्यों के मंत्री आमतौर पर भ्रष्टाचार से कन्नी काटते नजर आए। वहीं यह अच्छी बात है कि राजग सरकारों ने शिक्षा नीतियों में बड़े बदलाव किए। पाठ्यक्रमों में इतिहास की जानकारी में बदलाव भले हों मगर यह सब धर्मनिरपेक्ष ढांचे में हो तो बेहतर है। यह सुनिश्चित हो कि सांप्रदायिकता के उफान की कीमत अल्पसंख्यकों को चुकानी न पड़े। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अत्याचार की पूरी दुनिया में खासी चर्चा देखी–सुनी गई है। यह हकीकत है कि किसी समाज में धर्म व संप्रदाय के नाम पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। यह सरासर मानवता के खिलाफ अपराध कहा जाएगा। यहां हमारे देश के कर्ता–धर्ताओं को सोचना होगा कि क्या देश में कहीं धर्म व सांप्रदायिकता के आधार पर भेदभाव तो नहीं हो रहा है। कहीं बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा भारत की घटनाओं का प्रतिकार तो नहीं है? हमें भारत की सनातन परंपरा के अनुसार सभी धर्मों के लोगों की आस्था व विश्वास का सम्मान करना होगा। यह तभी होगा जब हम अपने मौलिक अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करेंगे। तभी देश की तरक्की की उड़ान सही दिशा में होगी। बीते साल में हमने देश में अंतरिक्ष से लेकर विज्ञान–तकनीक के क्षेत्र में खूब तरक्की की है। विकास का सूचकांक ऊंचा है। सकल घरेलू उत्पाद दर दुनिया में सबसे ऊंची बतायी जा रही है। मगर सोचना पड़ेगा कि देश के कमजोर वर्गों को मिलने वाला मुफ्त राशन अस्सी करोड़ लोगों को क्यों दिया जा रहा है? क्या वाकई गरीबी के आंकड़े कम हो रहे हैं? देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण जानलेवा बन रहा है। अरावली का संकट फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के अपने फैसले पर रोक लगाने पर कुछ दिन के लिये टल गया है।

टी20 विश्व कप 2026: मिचेल मार्श कप्तान, पैट कमिंस की वापसी के साथ ऑस्ट्रेलिया की टीम का ऐलान

पैट कमिंस और जोश हेजलवुड को गुरुवार को इस साल के टी20 विश्व कप के लिए स्पिन–प्रधान ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। एशेज सीरीज में चोट के कारण उनका अभियान बाधित हो गया था। टेस्ट कप्तान कमिंस ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच एशेज टेस्ट में से केवल एक ही मैच खेला, जो एडिलेड में हुआ था। वे पीठ के निचले हिस्से की चोट से धीरे–धीरे उबर रहे हैं, जबकि हेजलवुड (अकिलीज टेंडन की चोट) पूरी सीरीज से बाहर रहे।

कमिंस की पीठ का स्कैन इस महीने के अंत में किया जाएगा ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वे 7 फरवरी से शुरू होने वाले भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के लिए फिट होंगे या नहीं। हेजलवुड और बड़े शॉट लगाने वाले टिम डेविड (हैमस्ट्रिंग की चोट) भी वापसी की राह पर हैं और उनके जल्द ही तैयार होने की उम्मीद है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम डेविड की स्थिति में सुधार हो रहा है और हमें विश्वास है कि वे विश्व कप के लिए उपलब्ध रहेंगे। यह प्रारंभिक टीम है, इसलिए यदि कोई बदलाव करने की आवश्यकता हुई तो वे अभ्यास अवधि से पहले किए जाएंगे।

बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन और कूपर कॉनॉली को मुख्य स्पिनर एडम जम्पा और अंशकालिक स्पिनर ग्लेन मैक्सवेल के साथ लगभग स्थिर 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप स्टेज के सभी मैच श्रीलंका में खेले जा रहे हैं, जहां स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल पिच होने की उम्मीद है। एक चौंकाने वाली बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंग्लिस के लिए बैक–अप विकेटकीपर नहीं रखा और 20 ओवर के क्रिकेट से संन्यास ले चुके मिशेल स्टार्क के लिए कोई बाएं हाथ का तेज गेंदबाज भी नहीं चुना।

तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान कमिंस और हेजलवुड के हाथों में है, साथ ही नाथन एलिस और जेवियर बार्टलेट भी हैं। इनके अलावा कैमरन ग्रीन और मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडर भी हैं। सभी दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। बेली ने आगे कहा, ष्टी20 टीम ने हाल के मैचों में लगातार सफलता हासिल की है, जिससे टीम को श्रीलंका और भारत की विभिन्न पिचों के अनुरूप खिलाड़ियों का संतुलित चयन करने में मदद मिली है।ष

ऑस्ट्रेलिया टीमरू मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरून ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

बिग बैश लीग में मोहम्मद रिजवान का खराब प्रदर्शन जारी, 60 की स्ट्राइक से बनाए 6 रन

मोहम्मद रिजवान उन गिने–चुने पाकिस्तानी खिलाड़ियों में से एक हैं जो इस सीजन में बिग बैश लीग के सभी मैचों में खेल रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेल रहे हैं, लेकिन अब तक उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

नए साल की शुरुआत भी उनकी किस्मत नहीं बदल पाई, क्योंकि सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ मैच में भी रिजवान नाकाम रहे और बेहद खराब स्ट्राइक रेट (60) से सिर्फ छह रन ही बना पाए।

टिम सीफर्ट के पारी के दूसरे ओवर में आउट होने के बाद रिजवान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। जोश ब्राउन ने रिजवान के साथ 44 रन की साझेदारी में आक्रामक बल्लेबाजी की। रिजवान ने सिर्फ 19 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 226.32 के स्ट्राइक रेट से 43 रन बनाए। हालांकि, रिजवान दूसरे छोर पर गेंद को बाउंड्री तक पहुंचाने में नाकाम रहे और क्रीज पर रहते हुए एक भी चौका नहीं लगा पाए।

ब्राउन के आउट होने के बाद उनकी बल्लेबाजी ने पारी की गति को पूरी तरह से बिगाड़ दिया, और विकेटकीपर–बल्लेबाज पर दबाव हावी हो गया, जिसके चलते वे बेन ड्वार्शियस की 10 गेंदों पर मात्र छह रन बनाकर आउट हो गए। आधुनिक टी20 क्रिकेट में 60 का स्ट्राइक रेट बिल्कुल भी अच्छा नहीं माना जाता, खासकर तब जब रिजवान के एक साथी खिलाड़ी ने 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हों। मोहम्मद रिजवान ने इस सीजन में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए चारों मैच खेले हैं, लेकिन केवल 58 रन ही बना पाए हैं। उनका औसत 14.4 और स्ट्राइक रेट मात्र 100 है, जो औसत दर्जे का है। रेनेगेड्स को भी पाकिस्तानी खिलाड़ी से काफी उम्मीदें थीं, क्योंकि वह टीम में शीर्ष तीन में बल्लेबाजी कर रहे हैं।

सिडनी टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया का बड़ा दांव, कप्तान स्टीव स्मिथ ने दिखाया 39 साल के इस ़च्संलमत पर पूरा भरोसा

क्रिकेट डॉट कॉम एयू द्वारा पुष्टि की गई जानकारी के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को सिडनी में 4 जनवरी से शुरू होने वाले इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में, अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। पैट कमिंस पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण समय पर ठीक न हो पाने की वजह से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो एशेज टेस्ट में नहीं खेल पाए थे।

कमिंस ने टीम में वापसी की और एडिलेड ओवल में खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की, जिसके परिणामस्वरूप मेजबान टीम ने जीत हासिल की और एशेज बरकरार रखी। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई प्रबंधन ने एशेज श्रृंखला के शेष मैचों में कमिंस को आराम देने का फैसला किया है ताकि उनके कार्यभार को नियंत्रित किया जा सके और उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए फिट रखा जा सके। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज कमिंस इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया की संभावित टीम का भी हिस्सा हैं।

इस बीच, टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की अटकलों के बीच, 39 वर्षीय उस्मान ख्वाजा ने सिडनी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें एशेज टेस्ट के लिए टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। चल रही एशेज सीरीज में, 39 वर्षीय ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से चले आ रहे सलामी बल्लेबाज के रूप में शुरुआत की। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान, पीठ में ऐंठन के कारण ख्वाजा बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उन्होंने ब्रिस्बेन टेस्ट छोड़ दिया और एडिलेड टेस्ट में भी उन्हें पहले टीम से बाहर रखा गया था। स्टीवन स्मिथ की बीमारी के कारण, जो टेस्ट से बाहर हो गए थे, उन्हें नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के लिए वापस बुलाया गया।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे एशेज टेस्ट में, ख्वाजा ने ट्रैविस हेड और जैक वेदरल्ड के साथ मध्य क्रम में बल्लेबाजी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दोनों पारियों में 52 गेंदों पर 29 रन बनाए और एक बार दो गेंदों पर शून्य पर आउट हुए। चल रही एशेज सीरीज में, ख्वाजा ने तीन मैचों और पांच पारियों में 30.60 के औसत से 153 रन बनाए हैं, जिसमें एडिलेड में आया एक अर्धशतक भी शामिल है। मेजबान टीम आगामी सिडनी टेस्ट में वापसी करने की कोशिश करेगी, क्योंकि उन्हें मेलबर्न में बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 89.99 प्रति डॉलर पर

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 89.99 प्रति डॉलर आ गया। इसके साथ ही विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण रुपये की नए साल की शुरुआत नकारात्मक रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया 2026 में चुनौतियों और सुरक्षा दोनों के साथ प्रवेश कर रहा है। वैश्विक अनिश्चितता बनी हुई है हालांकि भारत के मजबूत व्यापक आर्थिक कारक और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार इसे स्थिरता प्रदान करते रहेंगे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.94 पर खुला। फिर थोड़ा कमजोर होकर 89.99 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

रुपया बुधवार को 2025 के अंतिम कारोबारी सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.88 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.32 पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 194.38 अंक चढ़कर 85,414.98 अंक पर जबकि निफ्टी 47.55 अंक की बढ़त के साथ 26,177.15 अंक पर पहुंच गया था।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.85 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,597.38 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

भारत–इजरायल के कट्टर दुश्मन को ट्रंप थमा रहे खतरनाक एफ–35, भड़क गए नेतन्याहू

अमेरिका ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने तुर्की का नाम लेकर एक ऐसा बयान दे दिया जिसने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि ट्रंप आखिर क्या खेल खेल रहे हैं। फ्लोरिडा में नेतन्याहू के सामने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ट्रंप ने अचानक तुर्की के राष्ट्रपति की तारीफ करना शुरू कर दी। इतना ही नहीं ट्रंप ने तुर्की को अपना अच्छा दोस्त भी बताया और यह तक कह दिया कि अमेरिका तुर्की को एफ 35 फाइटर जेट देने का गंभीरता से विचार कर रहा है। अब यह बयान इजराइल के लिए किसी झटके से कम नहीं था क्योंकि तुर्की और इजराइल के रिश्ते लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। सीरिया गाजा और पूर्वी भूमध्य सागर में दोनों देशों के हित सीधे टकराते हुए नजर आए हैं और यह पूरी दुनिया ने देखा है। वहीं याद दिला दें कि 2019 में अमेरिका ने तुर्की को एफ 35 प्रोग्राम से बाहर कर दिया था। क्योंकि तब तुर्की ने रूस से 400 मिसाइल सिस्टम खरीदा था। इससे अमेरिका भड़क गया था। लेकिन अब ट्रंप का यह यूटर्न कई बड़े सवाल खड़े कर रहा है। दरअसल एफ 35 दुनिया के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमानों में गिने जाते हैं। इजराइल का

मानना है कि अगर तुर्की को यह विमान मिलते हैं तो क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बदल सकता है। खासतौर पर सीरिया जैसे संवेदनशील इलाकों में अगर तुर्की को यह विमान मिलता है तो वह पूरे क्षेत्र में सैन्य रूप से कहीं ज्यादा ताकतवर हो सकता है। इजराइल नहीं चाहता कि इस इलाके में कोई सैन्य बढ़त हासिल करें। इजराइल और तुर्की टकराव की असली जड़ क्या है? उस पर अब एक नजर डाल लेते हैं। दरअसल इजराइल और तुर्की के बीच तनाव केवल हथियारों तक सीमित नहीं है। सीरिया, गाजा और पूरे पूर्वी भूमध्य सागर में दोनों देशों के हित टकराते हैं। 23 दिसंबर को ग्रीस, साइप्रस और इजराइल के त्रिपक्षीय सम्मेलन में नेतन याहू ने खुले तौर पर तुर्की को चेतावनी तक दे डाली थी। इस बीच एक और बड़ा घटनाक्रम यह भी सामने आया कि इजराइल ने सोमा लीलैंड को मान्यता दे दी है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विवादित इलाका है। आपको बता दें कि इस कदम के बाद तुर्की, पाकिस्तान और कई मुस्लिम देशों में नाराजगी देखने को मिली। क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि इजराइल का यह कदम लाल सागर में अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने का है और अफ्रीका में तुर्की के बढ़त प्रभाव को संतुलित करने का भी है। और वहीं आपको यह भी बता दें कि तुर्की का इस क्षेत्र में पहले से ही सैन्य और कूटनीतिक प्रभाव रहा है। तुर्की यहां पर लगातार प्रयास कर रहा है कि वह अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाएं और इस पूरे इलाके में अपना प्रभाव जमाए। और अब जब इजराइल की एंट्री इसकी सीमाकरण में हुई है तो इसके बाद सब कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।

मुल्ला छोड़ो ईरान, खामेनेई को जेन–जेड का सीधा चौलेंज! 17 प्रांतों में स्कूल–दफ्तर बंद

ईरान में जनता का विद्रोह 1989 की इस्लामिक क्रांति की याद दिला रहा है। 46 साल पहले की अगर बात की जाए तो जिस

तरह इस्लामिक कट्टरपंथियों ने देश की चुनी हुई सरकार का तख्ता पलट किया है उसी तरह आवाम ईरान से मजहबी कट्टरपंथ वाली सत्ता को उखाड़ फेंकने पर आमादा नजर आ रही है। ईरान में मुल्ला लीव ईरान जैसे नारे सरेआम लग रहे हैं। पिछले तीन दिन से लगातार जोर पकड़ रहे इस आंदोलन में अब जेन–जेड भी कूद पड़े हैं। हिजाब को लेकर जिस जन क्रांति को 3 साल पहले हयातुल्ला अली खामई ने जोर जुल्म के दम पर दबा दिया था वो ईरान में अब नए न्यायों के साथ सड़कों से लेकर सोशल मीडिया पर उबाल मार रही है। मुल्लाओं को ईरान छोड़ना होगा। ईरान में तानाशाही बर्दाश्त नहीं। ईरान में 28 दिसंबर से शुरू हुआ महंगाई और मुद्रा रियाल की गिरावट के खिलाफ विरोध अब सरकार विरोधी आंदोलन में बदलता दिख रहा है। यहां तीसरे दिन भी विरोध–प्रदर्शन जारी रहे। बुधवार रात कई शहरों में लोग सड़कों पर उतरे और सरकार विरोधी तथा राजशाही समर्थक नारे लगाए। इन नारों में सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई पर निशाना था। तेहरान और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय और व्यावसायिक इलाके विरोध के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। कई जगह प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। विवि पर छापे भी पड़े। रिपोटों के मुताबिक, कुछ स्थानों पर आंसू गैस और लाइव फायर का भी इस्तेमाल किया गया। तेहरान में एक छात्र गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ईरान पर हमले की धमकी ने भी असंतोष को और हवा दी है। सरकार ने कम से कम 17 प्रांतों में स्कूलों और सरकारी दफ्तरों को बंद करने की घोषणा की है।

अमेरिका ने ईरानियों के साहस की सराहना की: अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान के कई शहरों–मशहद, इस्फहान, जंजान, हमदान और मालार्ड में प्रदर्शन फैल चुके हैं और आर्थिक कुप्रबंधन से त्रस्त ईरानियों के साहस की सराहना की।

हमें कोई नहीं रोक सकता...नए साल पर जंग का ऐलान, जिनपिंग ने किसे दी खुलेआम चेतावनी

पूरी दुनिया नए साल का जश्न मना रही है। सब इस साल में शांति और खुशियों की कामना कर रहे हैं। लेकिन चीन के राष्ट्रपति शी जिंपिंग ने एक बड़ी चेतावनी दे दी है। लाल झंडे के साए में चीन की दीवार के सामने बैठकर शी जिंपिंग बोले ताइवान का चीन के साथ पुनः एकीकरण अपरिहार्य है। इसे कोई रोक ही नहीं सकता। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ताइवान के बेहद करीब चीन ने रॉकेट, फाइटर जेट और जंगी जहाजों के साथ अब तक का सबसे आक्रामक युद्धाभ्यास किया है। तो सवाल बड़ा है क्या 2026 में एशिया एक और जंग की तरफ बढ़ रहा है? ताइवान के चारों ओर उड़ते फाइटर जेट, समंदर में तैनात युद्धपोत और आसमान से दागे गए रॉकेट। चीन ने इस मिलिट्री ड्रिल का नाम दिया है जस्टिस मिशन 2025 यानी न्याय का मिशन। बीजिंग का दावा है ताइवान

उसका आंतरिक मामला है। लेकिन ताइवान कहता है हम एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक देश हैं।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर बुधवार शाम सरकारी मीडिया पर प्रसारित संबोधन में शी ने सैन्य प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अन्वेषण समेत प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की प्रशंसा की। भाषण के दौरान स्क्रीन पर कुंग फू करते इंसान जैसे रोबोट से लेकर नयी जलविद्युत परियोजनाओं तक की झलकियां दिखाई गईं। शी ने कहा, "हमने नवाचार के जरिए उच्च गुणवत्ता वाले विकास को गति देने का प्रयास किया।' उन्होंने पिछले पांच वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर देश की प्रगति में योगदान देने के लिए चीनी जनता का आभार जताया। शी ने ताइवान के चीन में विलय करने संबंधी रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि ताइवान और चीन में रहने वाले लोगों का खून का रिश्ता है। ताइवान एक स्वशासित लोकतंत्र है जिसे चीन अपना हिस्सा मानता है। शी जिंपिंग ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध का भी जिक्र किया। यह प्रोजेक्ट भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता की वजह है। पानी, पर्यावरण और सुरक्षा तीनों पर असर पड़ सकता है। फिलहाल गोलियां नहीं चली है लेकिन संदेश साफ है। ताइवान के आसमान में लड़ाकू विमान है और दुनिया की सासे अटकी हुई है। अब देखना यह है कि 2026 क्या यह सिर्फ चेतावनी है या आने वाले तूफान का ट्रेलर है।

नए साल पर स्विट्जरलैंड के क्रान्स–मोंटाना के बार में हुआ भयानक धमाका, कई लोगों के मौत की आशंका

स्विट्जरलैंड में नए साल की पूर्व संध्या पर एक लग्जरी बार में हुए धमाके के बाद लगी भीषण आग में कई लोग मारे गए हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, क्रान्स–मोंटाना के स्की रिसॉर्ट शहर में ले कॉन्स्टेलेशन बार एंड लाउंज में हुए इस धमाके में कई लोग घायल भी हुए हैं।

स्की रिजॉर्ट शहर में एक जानलेवा धमाके में कई लोग मारे गए : पुलिस ने बताया कि गुरुवार तड़के क्रैंस–मोंटाना के स्की रिजॉर्ट शहर में एक जानलेवा धमाके में कई लोग मारे गए और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि यह धमाका, जिससे आग भी लगी, एक लग्जरी अल्पाइन स्की रिजॉर्ट के अंदर एक बार में हुआ। क्रैंस–मोंटाना पर्यटकों, खासकर ब्रिटिश नागरिकों के बीच काफी मशहूर है, और यह स्विट्जरलैंड के सिएरे जिले में स्थित है, जो राजधानी बर्न से लगभग दो घंटे की दूरी पर है। यह धमाका ऐसे समय हुआ जब लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए क्रैंस–मोंटाना में इकट्ठा हुए थे।

अज्ञात कारणों से धमाका हुआ स्विट्जरलैंड पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, धमाके की सूचना सुबह करीब 1.30 बजे (स्थानीय समय) (00:30 **GMT**) ले कॉन्स्टेलेशन बार में मिली, जो पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है और धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। दक्षिण–पश्चिमी स्विट्जरलैंड के वालिस कैंटन में पुलिस प्रवक्ता गैटन लैथियन ने कहा, ष्अज्ञात कारणों से धमाका हुआ है। कई लोग घायल हुए हैं, और कई लोगों की मौत हुई है।ष धमाका बार के बेसमेंट में हुआ, जिसमें लगभग 400 लोग आ सकते हैं: मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, धमाका बार के बेसमेंट में हुआ, जिसमें लगभग 400 लोग आ सकते हैं। हालांकि अधिकारियों ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि इस घटना में कितने लोग मारे गए, लेकिन कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि मरने वालों की संख्या 2012 में स्विट्जरलैंड में हुए सिएरे कोच दुर्घटना जितनी हो सकती है, जिसमें 28 लोगों की जान चली गई थी। इस बीच, क्रैंस–मोंटाना में धमाके के बाद बार में लगी आग की तस्वीरें और वीडियो X (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था) पर वायरल हो गए हैं।

क्रैंस–मोंटाना एक बहुत लोकप्रिय पर्यटन स्थल: खूबसूरत स्विस आल्प्स के बीच में स्थित क्रैंस–मोंटाना एक बहुत लोकप्रिय पर्यटन स्थल है और स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और गोल्फ जैसी गतिविधियों के लिए दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह स्की रिजॉर्ट स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न से लगभग दो घंटे की दूरी पर है। यह घटना जिनेवा के बीचों–बीच स्विट्जरलैंड के सबसे पुराने लग्जरी होटल में आग लगने के कुछ महीने बाद हुई है। मशहूर फोर सीजन्स होटल डेस बर्गेस, जो 1834 में खुला था और एक महत्वपूर्ण लैंडमार्क माना जाता है, में लगी आग में कई लोग घायल हो गए थे। हर साल, स्विट्जरलैंड जंगल की आग की समस्या से जूझता है, खासकर गर्म और शुष्क मौसम में। दरअसल, 2001 से 2024 के बीच, स्विट्जरलैंड में आग लगने की वजह से 3: से ज्यादा जंगल खत्म हो गए।

एडीओ आईएसबी की मौत पर शोक सभा

जौनपुर (आरएनएस)। बक्शा ब्लॉक में कार्यरत एडीओ आईएसबी प्रदीप कुमार श्रीवास्तव का निधन हो गया। 53 वर्षीय प्रदीप श्रीवास्तव अपने ससुराल गोरखपुर गए थे, जहां दोपहर में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई ।उनके निधन की खबर मिलने पर . बक्शा ब्लॉक में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। खण्ड विकास अधिकारी रामविलास राम की अध्यक्षता में हुई इस सभा में ब्लॉककर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और कार्य से विरत रहे। बीडीओ रामविलास राम ने बताया कि प्रदीप श्रीवास्तव जौनपुर के हुसेनाबाद के निवासी थे। उनका अंतिम संस्कार सुबह रामघाट पर संपन्न हुआ। शोक सभा में एडीओ समाज कल्याण अधिकारी संदीप यादव, एपीओ सीबी सिंह, मनरेगा अकाउंटेंट दीपिका साहू, जेई पुष्पेन्द्र, राकेश कुमार, रविन्द्र कुमार गौतम, प्रदीप कुमार, रमापति यादव, राजू कुमार, राजेश यादव सहित कई ब्लॉककर्मी और अन्य लोग मौजूद रहे।

पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी का आरोप

जौनपुर(आरएनएस) ।केराकत कोतवाली क्षेत्र के नरहन चकराते (पाही) गांव निवासी नीतेश यादव कोतवाली में नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया कि सोमवार की रात करीब 8 बजे घर पर भोजन कर रहा था,तभी आशीष यादव पुत्र अजय यादव फोन कर गाली–गलौज देने लगा ।गाली देने का विरोध किया तो कथित तौर पर पिस्टल लेकर घर में घुस पिस्टल सटाकर जान से मारने की धमकी दी घटना से परिवार दहशत में है ।पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी कभी भी उनके साथ कोई गंभीर घटना को अंजाम दे सकता है ।पीड़ित का आरोप है कि आशीष यादव उनके घर की महिलाओं को बाजार आते–जाते समय गलत इशारे करने के साथ ही छेड़खानी करता रहा है,जिस कारण परिवार के सदस्य घर से निकलने में भी असुरक्षा महसूस कर रहे हैं ।पीड़ित ने पुलिस से उक्त दबंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

फिटनेस सेंटरों पर धांधली को लेकर दिया ज्ञापन

जौनपुर (आरएनएस)। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय परएसडीएम को सौपा गया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि वाहन के निजी फिटनेस सेंटर पर हो रही धांधली के संदर्भ में आज ज्ञापन दिया जा रहा है, हाल ही में मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे द्वारा या निर्देश जारी कर दिया गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में तीन–तीन फिटनेस सेंटर खोले जाएंगे, यह पहल सराहनीय है जिससे पारदर्शिता,प्रतिस्पर्धा और सेवा में सुधार आने की संभावना है, किंतु वर्तमान में अधिकांश जिले में केवल एक ही फिटनेस सेंटर संचालित हो रहे हैं वाहन स्वामियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एकमात्र फिटनेस सेंटर होने से वाहन स्वामियों से अनावश्यक शुल्क की मांग की जा रही है जो कि भ्रष्टाचार को कहीं ना कहीं बढ़ावा देता है। मनोज कुमार साहू, शिवम बरनवाल, विमल भोजवाल, विजय गुप्ता, राम कुमार साहू, अनिल वर्मा, संजय केडिया, मुन्नालाल अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

झगड़े पर अमादा आरोपियो के खिलाफ पुलिस ने दर्ज कराया केस

लालगंज, प्रतापगढ़। खेत में सिंचाई के विवाद को लेकर झगड़े पर अमादा दो पक्षो के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली मे तैनात आरक्षी संजय कुमार व संतोष कुमार यादव की वीट रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियो पर शिकंजा कसा है। रिपोर्ट मे कहा गया है कि पूरे छेमी पूरे नोती गांव में बीती उन्तीस दिसंबर को हरिकेश नारायण मिश्र पुत्र रामनरेश, कुसुम मिश्रा पत्नी हरिकेश, धीरज मिश्र पुत्र राकेश व गांव के ही सोनल मिश्र पुत्र राकेश तथा दूसरे पक्ष के राजेन्द्र की पत्नी सुनीता, विश्वनाथ की पत्नी मीना एवं मिथिलेश पत्नी धर्मेन्द्र गेहू की सिंचाई को लेकर मारपीट की वारदात को अंजाम दिया था। इसमें दोनों पक्ष चुटहिल हुए थे। आरोपियो द्वारा एक दूसरे पर जानलेवा हमले की धमकी दी जा रही है। मामले मे पुलिस ने पहल करते हुए आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है।

लापता मासूम के परिजनों के साथ दरोगा पर दुर्व्यवहार का आरोप

लालगंज, प्रतापगढ़। मासूम के लापता होने को लेकर पुलिस कार्रवाई की जगह पीड़ित परिवार का ही उत्पीड़न कर रही है। पुलिसिया उत्पीड़न को लेकर सोशल मीडिया में पीड़ित परिवार का वीडियो वायरल हुआ है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पदमाकरपुर निवासी राजाराम वर्मा पुत्र रामकुमार का दो वर्षीय पुत्र बीती छब्बीस दिसंबर की रात अचानक लापता हो गया। परिजनों ने पुलिस को तहरीर सौपी है। पुलिस ने मासूम के गायब होने को लेकर अज्ञात के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया। वायरल वीडियो में पीड़ित परिवार के मुताबिक मामले मे पूछतांछ के लिए उसे सांगीपुर थाने की घुइसरनाथ चौकी पर बुलवाया गया। वायरल वीडियो मे आरोप है कि चौकी के दरोगा ने पीड़ित परिवार के साथ दुर्व्यवहार किया। सीओ लालगंज आशुतोष मिश्र का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चेयरमैन प्रतिनिधि ने किया स्थलीय निरीक्षण

जैदपुर, बाराबंकी। जैदपुर नगर पंचायत के चेयरमैन प्रतिनिधि दाऊद अलीम ने शाह कटरा वार्ड स्थित मोहल्ला नई बस्ती दमादनपुरवा में चल रहे इंटरलॉकिंग कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि दाऊद अलीम के साथ आधा दर्जन सभासदों ने मौके पर पहुंचकर कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, मौजूद जनता से कार्य की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार्य मानकों के अनुसार और संतोषजनक तरीके से किया जा रहा है। चेयरमैन प्रतिनिधि दाऊद अलीम ने जनता को आश्वस्त किया कि यदि कार्य में किसी भी प्रकार की कमी पाई जाती है, तो वे तत्काल सभासद या अध्यक्ष प्रतिनिधि से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी स्थानीय निवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं भी दीं।

डीएम एवं एसपी ने स्वयं बाइक चलाकर दिया अनुशासित व सुरक्षित यातायात का सशक्त संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद में सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ आज एक प्रभावी बाइक जागरूकता रैली के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने स्वयं बाइक चलाकर यातायात नियमों के पालन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नागरिकों को जागरूक किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता, एडीएम वित्त एवं राजस्व ज्योति राय, एडीएम न्यायिक श्री शिवनारायण सिंह, एआरटीओ श्री बृजेश यादव उपस्थित रहें। बाइक रैली का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर से हुआ, जो वीर विनय चौराहा, भगवतीगंज होते हुए एआरटीओ कार्यालय तक निकाली गई। रैली के दौरान हेलमेट पहनना, लेन अनुशासन, गति सीमा का पालन एवं ट्रैफिक सिग्नलों के अनुपालन जैसे संदेशों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

सड़क सुरक्षा को लेकर डीएम की नवीन एवं अभिनव पहल

सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा किसी भी सड़क दुर्घटना की स्थिति में तत्काल आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष एसओपी ‍(जंदकंतक व्मतंजपदह च्तवबमकनतम) का शुभारंभ किया गया। इस विशेष एसओपी के अंतर्गत जनपद के सभी प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। क्यूआर कोड स्कैन करते ही आम नागरिकों को नज़दीकी अस्पताल की जानकारी, उपलब्ध डॉक्टरों का विवरण, अस्पताल तक पहुंचने का त्वरित मार्ग,एंबुलेंस व अन्य आवश्यक आपातकालीन संपर्क नंबर एक ही प्लेटफॉर्म पर सहजता से उपलब्ध हो सकेंगे। यह पहल दुर्घटना के बाद गोल्डन आवर में त्वरित उपचार सुनिश्चित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी ।एआरटीओ कार्यालय पर आयोजित गोष्ठी में जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक माह का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में यातायात नियमों के पालन को लेकर सतत जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है और आमजन से अपेक्षा है कि वे सभी यातायात नियमों को अपने दैनिक व्यवहार में अनिवार्य रूप से शामिल करें।

जीवन है अनमोल“ - एसपी का सशक्तसंदेश

पुलिस अधीक्षक ने अपने संदेश में कहा कि ”यातायात नियमों का पालन करें, जीवन अनमोल है। लापरवाही न केवल स्वयं के लिए, बल्कि दूसरों के जीवन के लिए भी खतरा बन सकती है।“ उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने एवं मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की अपील की ।कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी ने सुरक्षित, जिम्मेदार एवं अनुशासित वाहन संचालन का संकल्प लिया।

बलरामपुर नगर पालिका कर्मचारी कृष्ण प्रताप सिंह के सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। नगर पालिका परिषद बलरामपुर में लंबे समय तक निष्ठापूर्वक सेवा देने वाले कर्मचारी .ष्ण प्रताप सिंह के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर एक गरिमामय एवं भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धीरू ने उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह को संबोधित करते हुए पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि .ष्ण प्रताप सिंह ने अपने कार्यकाल में ईमानदारी,कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण भाव से नगर पालिका की सेवा की है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और आने वाली पीढ़ी के कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम में नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने .ष्ण प्रताप सिंह के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना की। विदाई समारोह के दौरान भावनात्मक माहौल देखने को मिला। अंत में सेवानिवृत्त कर्मचारी .ष्ण प्रताप सिंह ने नगर पालिका परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने पूरे सेवाकाल में सहयोग,सम्मान एवं अपनापन प्राप्त हुआ,जिसे वे जीवन भर स्मरण रखेंगे। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी लाल चंद्र मौर्य,डीपी सिंह बैस,कार्यालय अधीक्षक नागेंद्र कुमार,जेई सिविल अविनाश यादव,जेई जल धर्मेंद्र गौड़,सफाई निरीक्षक दिवाकर पांडेय, शगौरव मिश्र,अजीत शुक्ल,रामेश्वर यादव,रामनारायण यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान ने एसपी सहित अन्य अधिकारियों से की शिकायत,गौ आश्रय केन्द्र मे घुसे लोगों ने की थी गली–गलौज

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के पंडरी .पाल ब्लाक अन्तर्गत ग्राम पंचायत–खम्हरिया हरिवंश के ग्राम प्रधान राकेश आर्य ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र द्वारा और आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत किया है कि दिनांक–28.12.2025 की सुबह करीब 10:30 बजे गांव के ही रहने वाले दबंग एवं सरकस किस्म के व्यक्तियो द्वारा ग्राम पंचायत में स्थित सरकारी गौ आश्रय केन्द्र के निकट पहुंचे तो उसके अन्दर मुख्य केयरटेकर का सहयोगी राहुल पुत्र बुधराम पशुओं को चारा खिला रहा था और गौ आश्रय का गेट बंद किये हुए था,अचानक सभी लोग बाउण्ड्रीवाल कूदकर गौआश्रय केन्द्र में पहुंचे और उससे भूसा,पानी आदि के बारे में मोबाइल कैमरा ऑन करके पूछने लगे और एक बीमार पशु को लेकर वीडियो बनाया तत्पश्चात् राहुल से कहा गया कि गेट का ताला खोलो हम लोगों को जाना है,यह सुनकर केयरटेकर के सहयोगी ने कहा कि जैसे आये थे वैसे चले जाइये क्योंकि बिना प्रधान के आदेश से गेट नहीं खोलूंगा यह सुनकर विपक्षीगण आक्रोषित हो गये और केयरटेकर के सहयोगी को जाति सूचक गाली–गलौज करते हुए चले गये ।जिससे ग्राम प्रधान ने लिखा है कि विपक्षीगणों द्वारा कुछ देर बाद गौआश्रय के अन्दर का वीडियो वायरल कर प्रार्थी प्रधान की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया है, प्रार्थी के गौआश्रय केन्द्र में बीमार पशुओं का उपचार दिनांक–27.12. 2025 को पशु चिकित्सक द्वारा किया गया था व 28.12. 2025 को रविवार होने के नाते नहीं आये थे ।ग्राम प्रधान ने बताया कि गौ वंश के चारा पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से है।

सड़क सुरक्षा माह–2026“ के जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर डीएम ने किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। गोण्डा जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर से डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने ”सड़क सुरक्षा माह.2026“ के अंतर्गत सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु प्रचार.प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया ।जागरूकता अभियान 01 जनवरी, 2026 से 31 जनवरी, 2026 तक जनपद में संचालित किया जाएगा,जिसका उद्देश्य आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना है ।जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़क सुरक्षा नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है ।हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, नशे की हालत में वाहन न चलाना तथा यातायात संकेतों का सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है ।उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं,बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जागरूकता प्रचार वाहन के माध्यम से जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर सड़क सुरक्षा से संबंधित संदेशों, पोस्टरों, बैनरों तथा ध्वनि प्रचार के जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा ।विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने,पैदल यात्रियों को निर्धारित स्थानों से सड़क पार करने तथा अभिभावकों को नाबालिगों को वाहन न देने के लिए प्रेरित किया जाएगा ।कार्यक्रम के दौरान एआरटीओ प्रशासन आर. सी. भारतीय ने सड़क सुरक्षा माह की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि इस अवधि में विभिन्न विभागों के समन्वय से विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों तथा प्रमुख चौराहों पर जागरूकता कार्यक्रम,गोष्ठियां एवं यातायात नियमों की जानकारी देने वाली गतिविधियां आयोजित की जाएंगी ।यातायात नियमों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी ।इस अवसर पर परिवहन विभाग, पुलिस विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम कर सुरक्षित,अनुशासित एवं जिम्मेदार यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देना है ।प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा माह के दौरान और उसके बाद भी यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

नववर्ष के पूर्व संध्या पर वृद्धजनों के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास,आयुक्त सपरिवार पहुचे वृद्धाश्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर मानवता, सेवा और संवेदना का सुंदर उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब देवीपाटन मण्डल के आयुक्त अपनी धर्मपत्नी के साथ पंतनगर स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे ।इस अवसर पर उन्होंने वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें सर्दी से बचाव हेतु शॉल वितरित किए ।आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील एवं उनकी धर्मपत्नी गरिमा भूषण ने वृद्धजनों के बीच पहुंचकर न केवल उन्हें शॉल भेंट किए, बल्कि उनका हालचाल भी जाना ।उन्होंने वृद्धजनों से बातचीत करते हुए कहा कि समाज के वरिष्ठ नागरिक हमारी धरोहर हैं और उनके सम्मान, सुरक्षा एवं देखभाल की जिम्मेदारी हम सभी की सामूहिक है ।नव वर्ष के आगमन से पहले वृद्धजनों के साथ समय बिताकर उन्हें अपनत्व और सम्मान का अहसास कराना इस पहल का मुख्य उद्देश्य रहा ।इस अवसर पर आयुक्त सपरिवार उपस्थित रहे। परिवार के साथ वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों से संवाद करना एक भावनात्मक और प्रेरक क्षण रहा, जिसने पारिवारिक संस्कारों और सामाजिक दायित्व का संदेश दिया ।बच्चों और युवाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण सीख रही कि जीवन के इस पड़ाव पर पहुंचे बुजुर्गों के साथ संवेदनशील व्यवहार और सेवा भावना कितनी आवश्यक है ।शॉल पाकर वृद्धजनों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था ।सभी वृद्धजनों ने इस स्नेहपूर्ण पहल के लिए आयुक्त दंपति का आभार व्यक्त किया और उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के छोटे–छोटे प्रयास उन्हें आत्मसम्मान और अपनापन महसूस कराते हैं ।नव वर्ष की पूर्व संध्या पर किया गया यह सेवा कार्य समाज में करुणा, सहानुभूति और मानवीय मूल्यों को सु.ढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस ने मऊ नानकार गांव की महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोल्हौरा / सिद्धार्थनगर। थानाध्यक्ष गोल्हौरा रामदेव थाना के निर्देशन में गुरुवार को थानाक्षेत्र के ग्राम मऊ नानकार की महिलाओं / बालिकाओं को बहू / बेटी सम्मेलन व मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं, के बारें में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर नये कानून के बारें में जानकारी दी गयी।

नव वर्ष नई ऊर्जा के साथ सबको सशक्त करें : भूपेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ के आठवें दिन गुरुवार को रॉबर्ट्सगंज नगर स्थित हाइडिल मैदान में 10 टीमों के बीच कैनवस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने खिलाड़ियों और दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल नई ऊर्जा का स्रोत है नव वर्ष में समस्त जन्म नई ऊर्जा का संचार अपने अंदर ग्रहण करें और जन कल्याणकारी कार्यों में अपने को लिप्त रखें विधायक खेल महाकुंभ 2025.26 के आठवें दिन कैनवस क्रिकेट मैच का , पहला मुकाबला चुर्क और डी ए वी के बीच ,नगर के पूर्व चेयरमैन जितेंद्र सिंह के द्वारा टास कराकर मैच का शुभारंभ किया गया, डी ए वी की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 06 ओवर में 06 विकेट खोकर 72 रनों का स्कोर खड़ा किया, जवाब में चुर्क की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने निर्धारित ओवर में मात्र 35 रन ही बना सकी इस तरह से इस मुकाबले को डी ए वी की टीम 37 रनों से जीत कर आगामी मैच में अपनी जगह पक्की कर , दूसरा कैनवास क्रिकेट मैच का मुकाबला चतरा और कोटा डाला मंडल के बीच, वरिष्ठ क्रिकेटर नवल बाजपेई के द्वारा टास कराकर मैच का शुभारंभ किया गया , चतरा की टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 06 ओवर में 03 विकेट खो कर शानदार 129 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, चतरा की तरफ से अजित ने शानदार

9 छक्के की मदद से 65 रनों की पारी खेली,,जवाब में निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोटा डाला मंडल की टीम, अपने निर्धारित,07 ओवर में 6 विकेट खोकर मात्र 81 रन ही बना सकी इस तरह से चतरा की टीम ने इस मैच को 48 रनों से मैच को अपने नाम कर लिया। तीसरा कैनवस क्रिकेट मैच तहसील मोहाल और आदर्श नगर पालिका परिषद सोनभद्र टीम बीच राजेश चौबे व विकास मिश्रा के द्वारा टास कराकर मैच का शुभारंभ किया गया, तहसील मोहाल की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 06 ओवर में 01, विकेट खोकर शानदार 117 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, तहसील मोहाल की तरफ से मानवेन्द्र ने 9 छक्के की मदद से शानदार 75 रनों की पारी खेली,जवाब में आदर्श नगर पालिका परिषद सोनभद्र की टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 5 विकेट खोकर निर्धारित 06 ओवर में 35 रन ही बना सकी अतः इस मुकाबले को तहसील कालोनी की टीम 82 रनों से जीतकर आगामी मैचों में अपनी जगह पक्की कर ली, चौथा कैनवस क्रिकेट मैच मुनलाइट और बुडहर के बीच नगवा ब्लाक प्रमुख आलोक सिंह के द्वारा टास कराकर मैच का शुभारंभ किया गया, मुनलाइट की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 06 ओवर में 04 विकेट खोकर 82 रनों का स्कोर खड़ा किया ,जवाब में बुडहर की टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए,06 विकेट खोकर मात्र 30 रन ही बना सकी अतःइस मुकाबले को मुनलाइट की टीम ने इस मुकाबले को 52 रनों से जीत लिया , पांचवा कैनवस क्रिकेट मैच का मुकाबला मुनलाइट और तहसील कालोनी के बीच युवा कल्याण विभाग के प्रभारी प्रदीप कुमार के द्वारा टास कराकर मैच का शुभारंभ किया गया,मुनलाइट की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 06 ओवर में 03 विकेट खोकर 53 रनों का स्कोर खड़ा किया,जवाब में तहसील कालोनी की टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 वे ओवर में इस मुकाबले को 8 विकेट से जीत कर आगामी मैच में अपनी जगह पक्की कर ली कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित , विधायक भूपेश चौबे, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी नगवा ब्लाक प्रमुख आलोक सिंह,व्यवसाई अमित दुबे ,पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा बलराम सोनी रॉबर्ट्सगंज के पूर्व ब्लाक प्रमुख रमेश मिश्रा प्रभात पटेल चुर्कमंडल अध्यक्ष दिलीप चौबे ,महेवा प्रधान रहे, विकाश मिश्रा,राजेश चौबे के द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया ।साथ ही नगर के अन्य गणमान्य गण व क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधान नें जरूरत मंदों में किया कम्बल वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा के मगरदहा गांव में

गुरुवार को पूर्व प्रधान राजाराम बिंद द्वारा 250 गरीब, असहायों, विधवा, दिव्यांग,पुरुष एवं महिलाओं को कम्बल वितरण किया गया। आयोजक राजाराम बिंद ने कहा कि हर साल नए साल में कम्बल वितरण किया जाता है। कहा कि गरीब असहायों की मदद करना पुनीत कार्य है जनसेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। इस समय कड़ाके की पड़ रही ठंड से निजात मिलेगी। शाखा प्रबंधक यूपी, ग्रामीण बैंक रोहित कुमार ने कहा कि गरीबों की मदद करनी चाहिए। उक्त अवसर पर सतेंद्र यादव, काशी नाथ रामप्रवेश , विनोद कुमार, लक्ष्मण, सुजीत कुमार, चंद्रशेखर, मुन्नर, समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अपराधों में पूर्व में संलिप्त 20 अभियुक्तों की हिस्ट्रीशीट बंद करने का आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नववर्ष 2026 के अवसर पर जनपद सोनभद्र में अपराध नियंत्रण के साथ–साथ सुधारात्मक एवं सकारात्मक पुलिसिंग को बढ़ावा देने की दिशा में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के विभिन्न थानों में पंजी.त मामलों में नामित अभियुक्तों की आपराधिक पृष्ठभूमि, वर्तमान गतिविधियों एवं सामाजिक आचरण की विस्तृत समीक्षा कराई गई। समीक्षा में यह तथ्य सामने आया कि चयनित अभियुक्तों द्वारा विगत कई वर्षों से कोई आपराधिक गतिविधि नहीं की गई है, वे वर्तमान में कानून–व्यवस्था का पालन कर रहे हैं तथा समाज की मुख्यधारा में सामान्य एवं शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर पुलिस अधीक्षक द्वारा कुल 20 अभियुक्तों की हिस्ट्रीशीट बंद किए जाने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय पुलिस की जनहितैषी, सुधारात्मक एवं मानवीय .ष्टिकोण को परिलक्षित करता है, जिससे ऐसे व्यक्तियों को समाज में पुनः सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो सके। यह भी स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में यदि संबंधित व्यक्तियों द्वारा किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की जाती है, तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर विधिक कार्यवाही पुनः की जाएगी। जनपद पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे कानून–व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें।

सोन सुषमा पार्क का विधायक घोरावल, जिलाधिकारी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नूतन वर्ष–2026 के प्रथम दिवस पर गुरुवार को सोन सुषमा पार्क का विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारीवि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी नमामी गंगे रोहित यादव, ब्लाक प्रमुख सदर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उत्कर्ष द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह सहित जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें। इस अवसर पर

विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि पार्क का निर्माण कलेक्ट्रेट परिसर में हो जाने से परिसर में आने वाले फरियादियों को बैठने की सुविधा उपलब्ध होगी और कलेक्ट्रेट परिसर का वातावरण प्रा.तिक सौन्दर्य केन्द्र बना रहेगा और पार्क की सुविधा से सुबह–शाम लोगों को टहलने की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे टहलने वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने उपस्थित जन मानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने जनपद भ्रमण के दौरान यह निर्देश दिये थे कि जनपद सोनभद्र में पार्क, आडिटोरियम विकसित किया जाये, उस निर्देश के क्रम में कलेक्ट्रेट परिसर में सोन सुषमा पार्क व विकास भवन के सामने पहाड़ी पर शकुन्त पार्क बनाकर इसकी शुरूआत की गयी है। इसी प्रकार से जनपद में अन्य पार्क भी बनाये जायेंगें, जो जनमानस के आकर्षण के केन्द्र रहेंगें, उन्होंने कहा कि सोन सुषमा पार्क प्रत्येक नागरिकों के लिए प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक खुला रहेगा, जनपद में शीघ्र ही एक आडिटोरियम का निर्माण कार्य भी कराया जायेगा, जिसमें हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध होगी, इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा कि इस तरह के पार्क के निर्माण हो जाने से जनमानस को टहलने की सुविधा के साथ ही प्रा.तिक मनोहर .श्य देखने को मिलता है, उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद के ओवर ब्रीज के नीचे खाली पड़ी जमीनों का सौन्दर्यीकरण हो जाये, तो वहां पर अनावश्यक तरीके से होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लग सकती है और नगर पालिका का .श्य भी मनोहर और आकर्षण हो सकता है। जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि नगर पालिका परिषद के उस क्षेत्र को विकसित करने हेतु नगर पालिका परिषद सोनभद्र की तरफ से कार्ययोजना बनायी जायेगी। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने सभी को नव वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि शीघ्र ही विकास भवन परिसर में भी इस तरह के पार्क का निर्माण कराया जायेगा। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला उद्यान अधिकारी मेवाराम द्वारा किया गये।

पुलिस ने 253 खोए मोबाइल खोजकर स्वामियों को लौटाए

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं पर्यवेक्षण

में साइबर अपराध की रोकथाम तथा आमजन को तकनीकी माध्यम से न्याय दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सर्विलांस सेल, एसओजी टीम तथा जनपद के समस्त थानों की संयुक्त टीमों द्वारा उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई। टीमों द्वारा ब्म्प् (ब्मदजतंस मुनपचउमदज प्कमदजपजल त्महपेजमत) पोर्टल के माध्यम से तकनीकी ट्रेसिंग कर कुल 253 एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइल फोन को वास्तविक स्वामियों को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए 01.01.2026 को सुपुर्द किया गया। मोबाइल प्राप्त होने पर नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनपद सोनभद्र पुलिस की कार्यशैली की भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा संबंधित पुलिस टीमों के इस सराहनीय कार्य हेतु प्रशंसा की गई एवं उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

श्री राम राज्याभिषेक की सजी भव्य झाकी, आनंद उत्सव में मग्न हुए भक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नगर के आरटीएस क्लब में चल रहे श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के नौवें दिन भगवान श्री राम का राज्याभिषेक हुआ। इस अवसर पर मानस पंडाल को फूलों से सज्जित किया गया और भगवान श्री राम की दिव्य आरती भक्तों द्वारा की गई। वही वशिष्ठ की भूमिका निभा रहे मंच आचार्य एवं संचालक आचार्य संतोष कुमार द्विवेदी ने श्री राम का तिलक लगाकर राज्याभिषेक किया इसके पश्चात वहां उपस्थित समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन महामंत्री सुशील पाठक सहित समिति के संरक्षक एवं सदस्यों एवं भारी संख्या में भक्तजनों ने भगवान श्री राम दरबार की दिव्य आरती की। वही व्यास श्री सूर्य लाल मिश्र के मुखारविंद से गोस्वामी तुलसीदास .त रामचरितमानस उत्तरकांड की चौपाई राज बैठे राज्य बैठे त्रैलोका। हर्षित भये गए सब सोका।। न कर

काहू सन कोई ।राम प्रताप विषमता खोई ।। अर्थात– भगवान श्री राम के राज्य पर प्रतिष्ठित हो जाने पर तीनो लोक के लोग हर्षित हो गए, उनके सारे दुख जाते रहे, कोई किसी से बैर नहीं करता, श्री रामचंद्र जी के प्रताप से सबकी विषमता (आंतरिक भेदभाव) मिट गये। इस चौपाई के साथ ही राम दरबार में भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा की जाने लगी, पटाखे छुड़ाए जाने लगे और मुद्राएं लुटाई जाने लगी। मुख्य व्यास जी द्वारा भरत पीड़ा तथा भरत . हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रा जी का स्वागत, भरत मिलन, राम राज्याभिषेक, वेद स्तुति, शिव स्तुति, वानरों और निषादो की विदाई, रामराज्य का वर्णन आदि कथाओं का वाचन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं महायज्ञ का समापन हवन पूजन के साथ हुआ। इस अवसर मुख्य रूप से सांसद छोटेलाल खरवार, समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन, संरक्षक इंद्रदेव सिंह, महामंत्री सुशील पाठक, अवधेश पांडे अयोध्या दुबे, मिठाई लाल सोनी, ओमप्रकाश त्रिपाठी, अजीत रावत धर्मवीर तिवारी, किशोर केडिया, शिशु त्रिपाठी, रविंद्र पाठक, विमलेश पटेल, मन्नू पांडे, सुधाकर पांडे, हर्षवर्धन, शुभम शुक्ला, राजेश, चंदन चौबे, कुशल त्रिपाठी, तन्नू पांडेय, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे हैं।

गाय माता धाम खोडेला में 2 जनवरी को आदिवासियों में बंटेगा कंबल, होगा भंडारा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। गाय माता धाम खोडेला में 2 जनवरी शुक्रवार को आदिवासियों के बीच कंबल का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा भजन कीर्तन के साथ ही विशाल भंडारे का भी आयोजन होगा। यह आयोजन भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट और गाय माता धाम सेवा समिति के द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। वहीं शिव शक्ति महिला मंडल की ओर से नशा मुक्ति के लिए आदिवासियों को जागरूक किया जाएगा। भिक्षु भिखारी बाबा जंगली दास रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि नक्सल प्रभावित आदिवासी क्षेत्र खोडेला में गाय माता धाम है। 2 जनवरी शुक्रवार को मुख्य अतिथि डीएम बद्रीनाथ सिंह एवं विशिष्ट अतिथि एसपी अभिषेक बर्मा के कर कमलों से आदिवासियों में कंबल वितरण की शुरुआत की जाएगी। इसके बाद मौके पर भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के संरक्षकगण राजा विजयगढ़ चंद्र विक्रम पदम शरण साह एवं वरिष्ठ पत्रकार एवं अधिवक्ता राजेश कुमार पाठक, त्यागी बाबा, समाजसेवी बिरजू दास, शिव शक्ति महिला मंडल की संरक्षिका सुशीला पाठक, शिव शक्ति महिला मंडल अध्यक्ष किरन मोदनवाल, ट्रस्ट कोषाध्यक्ष अजय सिंह, ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्या, विमला देवी, प्रबंधक भरत सिंह व मनोज केसरी के जरिए भी कंबल वितरण किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि भजन कीर्तन के साथ ही विशाल भंडारा भी चलेगा। इसके अलावा शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा नशा मुक्ति के लिए जागरूक किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ट्रस्ट के संरक्षक एवं रसड़ा बलिया विधायक उमाशंकर सिंह, वरिष्ठ समाज सेवी हरीश अग्रवाल का विशेष योगदान है। भिखारी बाबा ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पहुंचने का आग्रह किया है।

जिला पंचायत बोर्ड की बैठक जिला पंचायत सभागार में 05 जनवरी को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत राजेश कुमार चौधरी ने अवगत कराया है कि जिला पंचायत सोनभद्र बोर्ड की बैठक 05 जनवरी,2026 को जिला पंचायत सभागार में समय 12.30 बजे अपरान्ह में आहूत की गयी है। उन्होंने समस्त सांसद विधायक विधान परिषद सदस्य जिला पंचायत सदस्यों क्षेत्र पंचायत प्रमुखगण एवं जनपद के संबंधित अधिकारियों को इस अनुरोध के साथ कि ससमय बैठक में प्रतिभाग करने का कष्ट करेंगें।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ सिसवा महोत्सव

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/सिसवा बाजार। स्थानीय कस्बे के राम जानकी मंदिर परिसर में सिसवा विकास समिति के तत्वावधान में गुरुवार को आयोजित सिसवा महोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जनउत्साह के बीच भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। महोत्सव में बच्चों, युवाओं एवं कलाकारों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने देर शाम तक दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि धीरेंद्र प्रताप सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके पश्चात सांस्.तिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ, जिसने पूरे परिसर को उत्सवमय वातावरण से भर दिया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध कॉमेडियन एवं 'जूनियर गोविंदा' के नाम से विख्यात कलाकार दीपक उतवल रहे। उन्होंने अपने शानदार अभिनय, सटीक मिमिक्री और हास्य–व्यंग्य से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। गोविंदा की शैली में प्रस्तुत किए गए उनके डायलॉग्स और नृत्य ने लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। उनकी मंचीय टाइमिंग और ऊर्जा की उपस्थित जनसमूह ने जमकर सराहना की। सांस्.तिक कार्यक्रमों में किसान आदर्श कन्या महाविद्यालय, रामकिशन मेमोरियल स्कूल, सिटी पब्लिक स्कूल, स्टर्लिंग स्कूल, मलवरी स्कूल, क्ला.ति डांस एकेडमी, किसान आदर्श इंटर कॉलेज, चोखराज इंटर कॉलेज सहित विभिन्न विद्यालयों और एकेडमियों के छात्र–छात्राओं ने नृत्य, गीत एवं अन्य प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। बच्चों की आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों ने अभिभावकों और दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध एंकर अमर राज सक्सेना ,रोशन मद्धेशिया व उमेश जायसवाल ने किया। दोनों संचालकों की सशक्त मंच संचालन शैली, रोचक संवाद और दर्शकों से जीवंत संवाद ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बना दिया।

इस अवसर पर सिसवा विकास समिति अध्यक्ष मनोज केशरी, नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि गिरजेश जायसवाल, संजय जायसवाल, दीपक मधेशिया, धीरेंद्र प्रताप सिंह, अखंड शाही, अवधेश चौबे, अश्वनी रौनियार, राजन विश्वकर्मा, प्रमोद गुप्ता, लालजी सिंह, नागेंद्र मल्ल,सुप्रसिद्ध गायक अमित जायसवाल, रोशनी केशरी, ममता जायसवाल, वंदना केशरी, पूनम सोनी, पूनम मल्ल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। महोत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रही। क्षेत्राधिकारी शिव प्रताप सिंह, थानाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, चौकी प्रभारी उमाकांत सरोज सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। आयोजन के सफल समापन पर आयोजकों ने सभी कलाकारों, दर्शकों एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

पापुलर नर्सिंग होम में किया गया महिला कर्मी का विदाई समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचपेड़वा। पापुलर नर्सिंग होम जुड़ीकुइन्या पर बारह वर्षों से

कार्य कर रही महिला कर्मी ने जब कहा कि वह अब काम नही करना चाहती अपने पैतृक गांव में जाना चाहती है,उसी महिला कर्मी के सम्मान में सम्मानपूर्वक महिलाकर्मी का विदाई समारोह कर डॉक्टर इश्तियाक अहमद ने महिला के कार्य, समर्पण और योगदान की सराहना किया, यादें साझा करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देकर साल, पुष्प गुच्छ और उपहार भेट किया , और कहा कि उनके द्वारा इस नर्सिंग होम में किए गए सकारात्मक कार्य को हमेशा याद किया जाएगा , उनका जीवन सुखमय पूर्वक व्यतीत हो यही कामना है।इस अवसर पर उनके समस्त स्टॉप और समाजसेवी केदार पांडेय मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

ऑपरेशन ड्रीम थिएटर से प्रियंका मोहन का विंटेज फर्स्ट–लुक पोस्टर जारी

666: ऑपरेशन ड्रीम थिएटर लॉन्च होने के बाद से ही लगातार चर्चा में है। पहले से ही सितारों से सजी इस फिल्म में अब नई एंट्री हुई है बहुचर्चित अभिनेत्री प्रियंका मोहन की, और टीम ने अब फिल्म से उनके फर्स्ट–लुक पोस्टर जारी कर दिए हैं।

दो अलग–अलग पोस्टरों में प्रियंका का लुक डिजाइन और कहानी दोनों ही मायनों में खास है। पोस्टरों में उन्हें विंटेज और सपनों जैसी खूबसूरती में दिखाया गया है, जिसमें बारीकी से देखने पर ही असली बात समझ आती है।

पहले पोस्टर में, वह सुनहरे पूर्णिमा के भव्य चंद्रमा की पृष्ठभूमि में लैवेंडर ब्लाउज और फूलों वाली स्कर्ट पहने हुए दिखाई देती हैं। पोस्टर अपने रंग संयोजन और संरचना के माध्यम से पुराने परिवेश को आधुनिक शैली के साथ खूबसूरती से मिलाता है। प्रशंसकों ने पहले ही इस लुक में दिखाई देने वाले ईयरफोन पर ध्यान दिया है, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि फिल्म में समय यात्रा के तत्व शामिल हो सकते हैं।

दूसरे पोस्टर में उन्हें रेट्रो–प्रेरित अवतार में दिखाया गया है, जिसमें उन्होंने मोती के गहने, फूलों वाली ड्रेस, दस्ताने और चौड़ी किनारी वाली टोपी पहनी है – यह छवि विंटेज–थीम वाले थ्रिलर के लिए एकदम उपयुक्त है। पोस्टर जितना दिखाता है उससे कहीं अधिक छुपाता है, जिससे उनके किरदार में रहस्य की परतें जुड़ जाती हैं। सौम्य रंग और क्लासिक स्टाइल कालातीत सिनेमा के आकर्षण को जगाते हैं, जिससे किरदार और फिल्म दोनों के चारों ओर रहस्यमय आभा और भी बढ़ जाती है।

ये दृश्य एक अद्वितीय कथात्मक ब्रह्मांड की ओर इशारा करते हैं जहां भव्यता, रहस्य और कल्पना का संगम होता है, जिससे फिल्म की रिलीज से पहले उत्सुकता और बढ़ जाती है।

666रू ऑपरेशन ड्रीम थिएटर ने डॉ. शिव राजकुमार और धनंजय के पहले लुक से लेकर विशाल सेटों की झलक, विंटेज कैमरों तक, लगातार अपडेट जारी करके दर्शकों को बांधे रखा है। निर्माताओं ने रहस्य से भरी दुनिया बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है और अब जनवरी में एक विशेष वीडियो जारी करने की तैयारी में हैं।

इस फिल्म का निर्माण डॉ. वैशाक जे. गौड़ा ने वैशाक जे. फिल्म्स बैनर के तहत किया है और इसका निर्देशन हेमंत एम. राव ने किया है। उनके विश्वसनीय सहयोगी चरण राज (संगीत निर्देशक) और अद्वैत गुरुमूर्ति (सिनेमैटोग्राफर) अपने–अपने विभागों का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विश्वास कश्यप प्रोडक्शन डिजाइनर और इंचारा सुरेश कॉस्ट्यूम डिजाइन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

धनंजय अभिनीत फिल्म 666रू ऑपरेशन ड्रीम थिएटर में डॉ. शिव राजकुमार की भी अहम भूमिका है और इसकी शूटिंग के तीन शेड्यूल पूरे हो चुके हैं। बड़े बजट और भव्यता से निर्मित इस फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में एक साथ रिलीज करने की योजना है।

बर्फबारी और कड़कती ठंड में बिकिनी पहन इतराईं अहाना कुमरा, बर्फीले पूल में डूबकर दिए ऐसे–ऐसे पोज

एक्ट्रेस अहाना कुमरा जॉर्जिया की कड़कड़ाती ठंड में न्यू ईयर वेकेशन एंजॉय कर रही हैं. बर्फीले पहाड़ और ठंडे पूल से एक्ट्रेस ने अपनी सिजलिंग फोटोज शेयर की हैं. ठिठुरती ठंड में एक्ट्रेस का बिकिनी अवतार हर किसी को हैरान कर रहा है.

अहाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी ट्रिप की फोटोज पोस्ट की हैं.

इनमें वो बर्फबारी के बीच बिकिनी पहने नजर आ रही हैं.

पिंक कलर की बिकिनी पहने एक्ट्रेस को पूल साइड बैठे देखा जा सकता है. यहां अहाना स्नोफॉल को महसूस करती नजर आ रही हैं.

इस फोटो में अहाना पूल में डूबकर पोज देती दिखाई दे रही हैं. इस बर्फीले मौसम में एक्ट्रेस काफी एंजॉय कर रही हैं.

इन फोटोज के साथ अहाना ने कैप्शन में लिखा– बर्फ गिर रही है, भाप उठ रही है. हर दिन पूल में मस्ती.

एक्ट्रेस आगे लिखती हैं– 2025 को यादगार बनाने वाली दोस्ती, प्यार और जीत के लिए बहुत आभारी हूं. अलविदा... और एक बड़े, साहसी और कामयाब 2026 में एंट्री. चलो जीत हासिल करें. नया साल मुबारक.

दूसरी तरफ अहाना की इन तस्वीरों पर फैंस भी रिएक्ट कर रहे हैं. एक्ट्रेस तनाज ईरानी ने लिखा– तुम फ्रीज नहीं हो रहीं. वहीं एक फैन ने लिखा– आपको ठंड नहीं लग रही? एक और फैन ने कमेंट किया– मुझे तो ये फोटो देखकर ही जुकाम हो गया.

चिरंजीवी हनुमान–द इटरनल की पहली झलक आई सामने, एआई निर्मित फिल्म में दिखेगी पवन पुत्र हनुमान की कहानी

एआई तकनीक से बनाई गई फिल्म श्चिरंजीवी हनुमान– द इटरनलत्र की पहली झलक आज सामने आ गई। भगवान हनुमान जी के बारे में बताती यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज

होनी है। श्चिरंजीवी हनुमान– द इटरनलत्र को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली भारत की पहली एआई द्वारा निर्मित फिल्म बताया जा रहा है। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। 1 मिनट 11 सेकंड के इस फर्स्ट ग्लिम्प्स वीडियो की शुरुआत में झरना और खूबसूरत वादियां दिखती हैं। इसके बाद पर्वतीय गुफाओं के पार पवन पुत्र हनुमान की छवि दिखती है। जंगलों के बीच से कैमरे की जबरदस्त मूवमेंट के बाद पवन पुत्र हनुमान को हवा में विचरण करते हुए दिखाया जाता है। हाथों में गदा लिए हनुमान जी को अभी सिर्फ पीछे से दिखाया गया है। उनका चेहरा अभी सामने नहीं आया है। बैकग्राउंड में हनुमान चालीसा की पंक्तियां भी सुनाई देती हैं। पहली झलक दिखाता ये वीडियो फिल्म को लेकर दर्शकों को उत्साहित जरूर करता है। श्चिरंजीवी हनुमानत्र को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले निर्देशक राजेश मापुस्कर ने निर्देशित किया है। जबकि फिल्म का निर्माण आलोक जैन, अजीत अंधारे, विजय सुब्रमण्यम और विक्रम मल्होत्रा ने स्टार स्टूडियो 18 के सहयोग से किया है। निर्माताओं ने प्रामाणिकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। मेकर्स ने यह प्रयास किया है कि भगवान हनुमान पर आधारित होने के नाते कहानी का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व बना रहा। फिल्म सच्चाई के निकट लगे। हालांकि, फिल्म की कहानी और इससे जुड़े पहलुओं को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म को 2026 में रिलीज किया जाना है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म को 2026 में हनुमान जयंती के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक पुष्टि नहीं की है।

धुरंधर के आगे भी डंके की चोट पर नोट कमा रही अवतार फायर एंड ऐश, 12वें दिन भी की शानदार कमाई

जेम्स कैमरून की फिल्म अवताररू फायर एंड ऐश ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा

बरकरार रखा हुआ है और ये अच्छी कमाई कर रही है. दिलचस्प बात ये हैं कि बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर से कड़ी टक्कर के बावजूद, इस हॉलीवुडफिल्म ने दूसरे मंगलवार को भी अच्छी कमाई की है. चलिए यहां जानते हैं अवताररू फायर एंड ऐश ने रिलीज के 12वें दिन कितना कलेक्शन किया है? सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक , अवताररू फायर एंड ऐश ने 12वें दिन भारत में लगभग 5.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. जिससे सभी भाषाओं में इसका कुल कलेक्शन अब 148.15 करोड़ रुपये हो गया. हालांकि फिल्म के कलेक्शन में दूसरे हफ्ते में थोड़ी गिरावट आई, लेकिन इसने फिर भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी है. इस फिल्म ने पहले हफ्ते में शानदार शुरुआत की और पहले सात दिनों में अनुमानित 109.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी. हालांकि, दूसरे वीक में इसके कलेक्शन में भारी गिरावट आई और लगभग 38.65 करोड़ रुपये ही कमा पाई. फिल्म की रिलीज से पहले की चर्चा और उम्मीदों को देखते हुए यह गिरावट काफी निराशाजनक है. ऑक्यूपेंसी की बात करें तो, फिल्म ने अंग्रेजी वर्जन में कुल 29.23 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी दर्ज की और बॉक्स ऑफिस पर अपनी बढ़त बनाए रखी. वहीं हिंदी वर्जन की कुल ऑक्यूपेंसी 18.67 प्रतिशत रही, जबकि तमिल वर्जन की ऑक्यूपेंसी 17.54 प्रतिशत रही. फिल्म की ऑक्यूपेंसी भाषावार कलेक्शन के आंकड़ों से मेल खाती है, सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, अवताररू फायर एंड ऐश ने अंग्रेजी भाषी बाजार से लगभग 64.6 करोड़ रुपये और हिंदी भाषी बाजार से 48.75 करोड़ रुपये कमाए. वहीं तमिल वर्जन का कलेक्सन 21.63 करोड़ रुपये रहा, जबकि तेलुगु डब वर्जन ने लगभग 12.49 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं, कन्नड़ और मलयालम वर्जन ने मिलकर अनुमानित 58 लाख रुपये कमाए हैं. हालांकि अवताररू फायर एंड ऐश अवतार फ्रेंचाइज की पिछली फिल्मों द्वारा सेट किए बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड को तोड़ने में कामयाब नहीं रही है. दरअसल, यह फिल्म अभी तक अवताररू द वे ऑफ वॉटर के पहले हफ्ते के कलेक्शन को भी पार नहीं कर पाई है, जिसने भारत में 391.4 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था।

हैप्पी न्यू ईयर 2026: अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और परिवार को इस अंदाज में दें शुभकामनाएं

नया साल अपने साथ नई उम्मीदें लेकर लाता है और इसका जश्न मनाने के लिए परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों का साथ अलग ही सुकून देता है। हालांकि, अगर आप इस नए साल पर अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं तो आप शुभकामानाओं और शायरी के जरिए अपनों को नए साल की बधाई दे सकते हैं। आइए आज कुछ मजेदार और आकर्षक नए साल की शुभकामनाओं पर गौर फरमाते हैं।

परिवार के लिए शुभकामनाएं

1) नए साल की नई सुबह इतनी सुहानी हो जाए कि आपके दुखों की सारी बातें पुरानी हो जाए। ये दिन आपको इतनी खुशियां दे जाए की खुशी भी आपकी मुस्कुराहट की दीवानी हो जाए। नए साल की हार्दिक बधाई! 2) ये नया साल जीवन में लाए खुशियां अपार। मां लक्ष्मी विराजे आपके द्वार, सभी कामना आपकी करें स्वीकार। नया साल आपके लिए मंगलमय हो! 3) नए साल का हर दिन आपके लिए खुशी और उत्साह से भरपूर हो।

दोस्तों के लिए नए साल की शुभकामनाएं

1) दोस्ती होगी जहां, वहीं अपना नया साल। चेहरे पर हंसी और साथ में मस्तियां होंगी। मिलेंगे जब यारों से सब यार, तभी तो मनेगा नया साल! 2) हम आपके लिए भगवान प्रार्थना करते हैं कि नववर्ष आपके जीवन में सफलता और ढेर सारी खुशियां लाएं। नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। 3) यारों का संग हो तो नए साल का जश्न भी होगा दोगुना। हैप्पी न्यू ईयर मेरे प्यारों!

रिश्तेदारों के लिए नववर्ष की शुभकामनाएं

1) बीत गया जो साल भूल जाएं...इस नए साल को गले लगाएं, करते हैं हम दुआ रब से सर झुका के...इस साल के सारे सपने पूरे हो आपके। नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं! 2) कुछ खट्टे, कुछ मीठे से हैं हमारे रिश्ते, लेकिन इसी के साथ स्वीकार कीजिए हमारी नए साल की शुभकामनाएं। 3) हम आपके लिए रब से दुआ करते हैं कि नया साल आपके जीवन में कामयाबी और खुशियां लेकर आए। हैप्पी न्यू ईयर 2026

अपने सहकर्मियों को दें नए साल की ये शुभकामनाएं

1) खुशियों से न हो कोई दूरी...रहे न कोई ख्वाहिश अधूरी, नई उम्मीदों से भरे इस नए साल में...खूबसूरत हो आपकी दुनिया पूरी। नए साल की शुभकामनाएं 2) नई साल की शुरुआत के लिए चीयर्स! आपको नए साल की दिल से हार्दिक शुभकामनाएं। 3) आपके साथ काम करना हमेशा बहुत मजेदार रहा है...आपको नए साल 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं। 4) अपनों का प्यार...खुशियों की बौछार, सफलता मिले बेशुमार। मुबारक हो आपको नया साल।